राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण सोमवार,15जुन2020 वर्ष–2, अंक –103 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने की आत्महत्या, शोक में टीवी एवं फिल्मइंडस्ट्री

मुंबई (एजेसी)। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत इस दुनिया में नहीं रहे। रविवार को मुंबई में अपने फ्लैट में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उनके नौकर ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सुशांत ने सुइसाइड क्यों किया है,इसकी अभी तक जानकारी सामने नहीं आ सकी है। हालांकि पुलिस को सुशांत के दोस्तों ने बताया है कि वह बीते 6 महीने से डिप्रेशन में थे।वह डिप्रेशन की वजह से दवाइयां ले रहे थे। बीती रात सुशांत के कुछ दोस्त उनके साथ थे। सुबह जब सुशांत ने दरवाजा नहीं खोला,तब उनके दोस्तों ने दरवाजा तोड़ा अंदर फांसी से उनकी लाश झूल रही थी। इसके बाद नौकर ने पुलिस को फोन किया।

मुंबई स्थित उनके घर पर पुलिस जांच–पड़ताल कर रही है। बता दें कि चार दिन पहले ही सुशांत की मैनेजर दिशा की भी इमारत से गिरने से मौत हो गई थी। मुंबई पुलिस के प्रवक्ता का कहना है कि सुशांत ने आत्महत्या की है। पुलिस जांच कर रही है। पुलिस को अभी तक कोई सूइसाइड नोट नहीं मिला है।

सुशांत सिंह राजपूत की एक्स गर्लफ्रेंड अंकिता लोखंडे ने एक बिजनसमैन के साथ पिछले हफ़्ते ही सगाई की है। उनकी मैनेजर ने पांच दिन पहले ही आत्महत्या की थी। सूत्रों का कहना है कि मामले में भी सुशांत से पूछताछ की गई थी। वहीं परिवार के लोगों के मुताबिक, सुशांत एक बंगाली लड़की से परेशान थे। पिता उनसे कुछ दिन बाद ही मिलने जाने वाले थे, इसी बीच ये खबर आ गई।

बोलने की स्थिति में नहीं सुशांत सिंह के पिता

सुशांत के निधन की खबर पूरा देश सदमे में है। उनके गृहनगर पटना के राजीव नगर मोहल्ला गमगीन है। सुशांत के पिता केके सिंह को फोन पर जानकारी मिली, वह इस वक्त कुछ बोलने की स्थिति में नहीं हैं। सुशांत के पिता रिटायर्ड हैं और पटना में अकेले रहते हैं। सुशांत की मां का निधन हो चुका है। उनकी चार बहने थीं, जिनमें से 1 की मौत हो चुकी है। बाकी 3 बहनें ससुराल में हैं।

अधूरा रह गया बिहार वालों से किया वादा

सुशांत सिंह राजपूत का घर और ननिहाल दोनों बिहार में ही है। सुशांत अक्सर बिहार आते रहते थे। साल 2019 में सुशांत मुंडन कराने खगड़िया स्थित अपने ननिहाल आए थे। उस दौरान सुशांत सिंह राजपूत नाव के सहारे ननिहाल पहुंचे थे। उस दौरान गांव वालों ने गाजे–बाजे के साथ उनका स्वागत किया था, लेकिन आज उनके सुसाइड की खबर आने से पूरे बोरने गांव में गम का माहौल है। सुशांत सिंह राजपूत के

ननिहाल बोरने में प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर है। यहीं पर उनका मुंडन हुआ था। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए सुशांत सिंह राजपूत ने कहा था मैं बिहार का हूं और बिहार के लिए कुछ करना चाहता हूं। इसके लिए प्रयास कर रहा हूं। सुशांत सिंह राजपूत के चचेरे भाई और बीजेपी के विधायक नीरज कुमार बबलू और उनकी पत्नी विधान पार्षद नूतन सिंह हैं।

अपनी आखिरी पोस्ट में कहां मां की आ रही थी याद

सुशांत सिंह राजूपत ने अंतिम पोस्ट अपनी मां के लिए डाला था, जैसे उन्हें उनकी किसी वजह से याद आ रही हो। 3 जून को हुए इस पोस्ट में सुशांत ने अपने साथ अपनी मां की एक तस्वीर लगाई थी। इसके साथ लिखा था, धुंधला अतीत आंखों के आंसू से गायब हो रहा है। पूरे न हुए सपने खुशियां और ला रहे हैं। वहीं एक जल्द बीतने वाली जिंदगी दोनों के बीचसौदेबाजी कर रही।

शोक में टीवी और फिल्मइंडस्ट्री

सुशांत सिंह राजपूत के अचानकनिधन से फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। किसीको भी यकीन नहीं आ रहा है कि सुशांत ने ऐसा कदम क्यों उठाया?करणवीर बोहरा यकीन ही नहीं कर पाए कि उनका दोस्त और भाईसुशांत सिंह राजपूत इस दुनिया में नहीं है। उन्होंने इंस्टाग्राम परअभिनेता संग पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'क्यूं? क्यूं? क्यूं?मुझे बहुत घबराहट हो रही है। भाई तुम ऐसा कैसे कर सकते हो? भगवान तुम्हारी आत्मा को शांति दे दोस्त।

एकता कपूर, जिन्होंने सुशांत को टीवी इंडस्ट्री में मौका दिया, वह भी गम में डूबी हुईं। उन्होंने ट्वीट किया: वहीं सुशांत के दोस्तों ने बताया कि वह डिप्रेशन की वजह से दवाइयां ले रहे थे। साल 2020 फिल्म और टीवी इंडस्ट्री पर एक कहर बनकर टूटा है। मार्च से लेकर अब तक इरफान खान, ऋषि कपूर, वाजिद खान, मनमीत ग्रेवाल, प्रेक्षा मेहता, मोहित बघेल और अब सुशांत सिंह राजपूत दुनिया छोड़ गए।

एक कामयाबनवोदित युवा अभिनेता का दर्द भरा अंत

मुंबई, बॉलीवुड के लिए साल2020 बेहद खराब चल रहा. बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रहे ऋषि कपूरके निधन के बाद 14 जून को कल के सुपरस्टार के तौर पर देखे जाने वाले लोकप्रिय अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने सुसाइड कर लिया. उनकी उम्र 34 साल थी. उन्होंने बांद्रा स्थित घर में फांसी के फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली. घर में सुशांत अकेले ही रहते थे. सुशांत के नौकर ने पुलिस को उनके बारे में खबर दी. सुशांत सिंह राजपूत बिहार के पटना के रहने वाले थे. बताया जा रहा है कि सुशांत सिंह राजपूत पिछले 6 महीने से डिप्रेशन में थे. गौर करने वाली बात ये है कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत से लगभग हफ्तेभर पहले उनकी एक्स मैनेजर दिशा ने भी आत्महत्या कर ली थी. इस खबर को सुनने के बाद सुशांत ने सोशल मीडिया पर दुख जताया था. सुशांत की एक्स मैनेजर दिशा ने मुंबई में अपनी बिल्डिंग की 14वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी थी. सुशांत सिंह राजपूत ने अपनी इंस्टा स्टोरी में लिखा था, ष्ये बहुत दुखद खबर है. दिशा के परिवार और दोस्तों को मेरी सांत्वना. ईश्वर तुम्हारी आत्मा को शांति दे.ष

सुशांत ने टीवी सीरियल 'किस देश में निकला होगा चांद' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. लेकिन उन्हें पहचान सीरियल पवित्र रिश्ता में मानव देशमुख के किरदार से मिली. बॉलीवुड में सुशांत सिंह राजपूत ने फिल्म काई पो छे से डेब्यू किया था. उन्होंने एम एस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी, छिछोरे, केदारनाथ, राबता और ड्राइव जैसी फिल्मों में काम किया था. उन्हें बढ़िया एक्टर्स की लिस्ट में गिना जाता था.

21 जनवरी 1986 में बिहार के पटना में जन्मे सुशांत एक मध्यमवर्गीय पारिवारिक पृष्ठभूमि से आते थे. उन्होंने काफ़ी संघर्ष के बाद बॉलीवुड तक का सफ़र तय किया था. उनका परिवार बिहार के पूर्णिया में ही खेती–किसानी करता है. उनकी बहन मीतू सिंह एक राज्य–स्तरीय क्रिकेट खिलाड़ी हैं. उनके एक चाचा नीरज कुमार बबलू बिहार में बीजेपी के विधायक हैं. सुशांत ने दिल्ली कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग में मकैनिकिल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद अपने सपनों को पूरा करने के लिए एक्टिंग की तरफ रुख किया था. शुरुआत में उन्होंने बैकअप डांसर के तौर पर काम किया. इसके बाद 'किस देश में है मेरा दिल' नामक सीरियल में उन्हें एक्टिंग का पहला ब्रेक मिला. इसके बाद पवित्र रिश्ता ने सुशांत को घर–घर का चहेता बना दिया. कामयाबी के कदम चढ़ते हुए सुशांत ने डांस रिएलिटी शो ज़रा नच के दिखा और झलक दिखला जा में भी हिस्सा लिया. इसके बाद सुशांत को फिल्मी दुनिया में एंट्री मिली, जहां उन्हें काय पो चे फिल्म में एक अहम रोल मिला. टीवी से अपने करियर की शुरुआत करने वाले सुशांत सिंह राजपूत ने हाल के सालों में बड़े पर्दे पर अपनी उल्लेखनीय मौजूदगी दर्ज की थी. सुशांत का फिल्मी करियर काफी अच्छा चल रहा था. अपने करियर में उन्होंने एमएस धोनी जैसी हिट फ़िल्म दी थी. महज़ छह साल के फिल्मी करियर में सुशांत पर्दे पर कभी महेंद्र सिंह धोनी हो गए तो कभी ब्योमकेश बख़्शी तो कभी शादी के रिश्ते पर सवाल उठाने वाले शुद्ध देसी रोमांस के रघु राम भी.

बहरहाल अब हर किसी को ये सोचकर हैरत हो रही है कि आत्मविश्वास से भरा एक नौजवान जिसे असफलता का डर नहीं था, कामयाबी जिसके कदम चूम रही थी, जिसके आगे सारी ज़िंदगी पड़ी थी, ऐसा क्या हुआ होगा जो उसने ज़िंदगी से हार मान ली जैसा कि पुलिस का दावा है. हालांकि पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है. मगर अब हम यही कह सकते हैं कि एक कामयाब नवोदित युवा अभिनेता जिसने अपने संघर्ष के बलबूते इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी इतने काम समय में अब उसका दर्द भरा अंत हो गया.

ट्रिपल टेस्टिंग से कंट्रोल होगा दिल्ली में कोरोना, शाह की बैठक में हुए कई फैसले

केजरीवाल ने कहा, केंद्र और राज्य सरकार मिलकर करेगी कोरोना का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोरोना हालात पर दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और उपराज्यपाल अनिल बैजल के साथ हुई बैठक के बाद कहा कि दिल्ली में कोविड टेस्टिंग बढ़ाई जाएगी। बैठक के बाद शाह ने ट्वीट किया कि दिल्ली में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए मोदी सरकार कटिबद्ध है। दिल्ली में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए अगले दो दिन में कोरोना की टेस्टिंग को बढ़ाकर दो गुना और 6 दिन बाद टेस्टिंग को बढ़ाकर तीन गुना कर दिया जाएगा।

अमित शाह ने कहा कि साथ ही कुछ दिन के बाद कंटेमेंट जोन में हर पोलिंग स्टेशन पर टेस्टिंग की व्यवस्था शुरू कर दी जाएगी। दिल्ली के छोटे अस्पतालों तक कोरोना के लिए सही जानकारी और दिशानिर्देश देने के लिए मोदी सरकार ने एम्स में टेलीफोनिक गाइडेंस के लिए वरिष्ठ डॉक्टर्स की एक कमेटी बनाने का निर्णय लिया है जिससे नीचे तक सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों का संचार किया जा सके। इसका हेल्पलाइन नं.सोमवार को जारी हो जाएगा। गृहमंत्री ने कहा कि दिल्ली के कन्टेनमेंट जोन में कॉन्टैक्ट मैपिंग अच्छे से हो सके, इसके लिए घर–घर जाकर हर एक व्यक्ति का व्यापक स्वास्थ्य सर्वे किया जायेगा, जिसकी रिपोर्ट 1 सप्ताह में आ जाएगी। साथ ही अच्छे से मॉनिटरिंग हो, इसके

लिए वहां हर व्यक्ति के मोबाइल में आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करवाया जाएगा।

दिल्ली के निजी अस्पताओं में कोरोना के इलाज के लिए के कोरोना बेड में से 60 प्रतिशत बेड कम रेट में उपलब्ध कराने, कोरोना उपचार व कोरोना टेस्टिंग के रेट तय करने के लिए डॉ.पॉल की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई, है जो 15 जून तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। अमित शाह ने कहा कि केंद्र ने दिल्ली सरकार को महामारी से लड़ने के लिए आवश्यक संसाधन जैसे ऑक्सीजन सिलेंडर, वेंटिलेटर, पल्स ऑक्सीमीटर और अन्य सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूर्णतः आश्वस्त किया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश कोरोना से पूरी सतर्कता और सहभागिता के साथ लड़ा है। कई स्वयंसेवी संस्थाएं बहुत उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। इस क्रम में सरकार ने स्कॉउट गाइड,एनसीसी ,एनएसएस और अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं को इस महामारी में स्वास्थ्य सेवाओं में वालंटियर के नाते जोड़ने का निर्णय लिया है।

केंद्र और राज्य सरकार मिल. कर कोरोना का मुकाबला करेंगी

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बैठक के बाद कहा कि केंद्र और दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में कोरा.`ना का मिलकर मुकाबला करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में कोरोना की स्थिति पर चर्चा के लिए केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी जो बहुत उपयोगी रही। केजरीवाल ने बैठक के बाद ट्वीट किया, दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार की बैठक अत्यंत उपयोगी रही। कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन और उपराज्यपाल अनिल बैजल भी शामिल हुए। दिल्ली में संक्रमण के मामले बढ़कर करीब 39,000 हो गए हैं जिनमें से 1,200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी, फूंक–फूंककर कदम उठा रहा है केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद केंद्र सरकार ने फूंक–फूंक कर कदम उठाने शुरू किए हैं। फिलहाल केंद्र सरकार ने अस्थाई तौर पर कर्मचारियों को प्रमोशन देने की इजाजत मांगी है। सुप्रीम कोर्ट में आवेदन दाखिल कर केंद्र ने कहा कि बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हैं। जनवरी, 2020 तक लगभग 1.3 प्रमोशन पेंडिंग थे। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से प्रमोशन में आरक्षण के मामले पर स्पष्टीकरण मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 15 अप्रैल को यथास्थिति बरकरार रखने का निर्देश दिया था। केंद्र सरकार ने अपने आवेदन में कहा है, कि तब से प्रमोशन अटके होने से कर्मचारी–अधिकारी नाखुश हैं। अदालत को बताया गया कि 78 में से 23 विभागों में प्रमोशन पेंडिंग हैं।

सुप्रीम कोर्ट में केन्द्र सरकार ने कहा है कि उसके आदेश की वजह से हर तरह के प्रमोशन रुक गए। बिना प्रमोशन पाए ही हर महीने कर्मचारी रिटायर हो रहे हैं,इसकारण उनके अंदर नाराजगी है।

केंद्र ने कहा कि कोरोना जैसी महामारी के वक्त सरकारी कर्मचारियों का मनोबल ऊंचा रहना चाहिए। प्रमोशन न मिलने से वे हत्सोसहित हो रहे हैं। केंद्र ने नजीर भी सामने रखी है कि 17 मई 2018 और 5 जून 2018 को इसतरह के आवदेनों पर अदालत ने प्रमोशन की अनुमति दे दी थी।

आरक्षण को लेकर एक नई बहस सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणी से शुरू हुई है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के मेडिकल कॉलेजों में ओबीसी कोटा को लेकर दाखिल याचिकाओं की सुनवाई करते हुए कहा था कि आरक्षण मौलिक अधिकार नहीं है।

यह याचिका तमिलनाडु की कई पार्टियों ने दाखिल की थी। याचिका में मेडिकल कॉलेजों में 50 फीसदी सीटें ओबीसी के लिए रिजर्व करने की मांग की गई थी।

इसके बाद फौरन केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी ने अपना स्टैंड साफ कर दिया।

बिहार में विधानसभा चुनाव को देखकर बीजेपी ने आरक्षण के मसले पर रुख साफ किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि 'बीजेपी आरक्षण का समर्थन करती है। मोदी सरकार वंचित तबके को आरक्षण की सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आरक्षण के मसले पर किसी भी तरह के भ्रम से लोगों को बचने की सलाह दी। नड्डा ने कहा, समाज में कुछ लोग आरक्षण को लेकर भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। मोदी सरकार और भाजपा आरक्षण के प्रति पूरी तरह कटिबद्ध है।

सामाजिक न्याय के प्रति हमारी वचनबद्धता अटूट है।

प्रधानमंत्री मोदी बार बार इस संकल्प को दोहराया है। सामाजिक समरसता और सभी को समान अवसर हमारी प्राथमिकता है। मैं स्पष्ट करता हूं, भाजपा आरक्षण व्यवस्था के साथ है। केंद्र सरकार में बीजेपी की सहयोगी पार्टी लोजपा के नेता और केंद्रीय मंत्री राम विलास पा. सवान ने मांग की कि इस मामले में सभी दलों को साथ आना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरक्षण से जुड़े सभी कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में डाल देना चाहिए ताकि कानूनी चुनौती से बचा जा सके।

जापान में भूकंप के तेज झटके, सुनामी की कोई चेतावनी नहीं

टोक्यो (एजेंसी)। जापान के कागोशिमा प्रांत में अमामीशिमा द्वीप के तट पर रविवार को तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6.3 दर्ज की गई।इसकी जानकारी अधिकारियों ने दी।वहीं कोई सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की गई। रिपोर्ट के अनुसार, यह भूकंप देर रात 12.51 बजे आया था, वहीं इसका केंद्र 28.8 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 128.3 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। यह भूकंप 160 किलोमीटर की गहराई में आया था। यह भूकंप कागोशिमा के कुछ 4 हिस्सों में महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता जापानी भूकंपीय स्केल पर 7 दर्ज की गई। हालांकि इससे किसी के घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई है।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

(फोटो) नई दिल्ली में रविवार को एक कब्रिस्तान में कोरोनावायरस संक्रमित मरीज को मौत के बाद दफन करने पहुंचे परिजन।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भारत से बैर बढ़ाने पर आमादा

नेपाली संसद के निचले सदन ने जिस तरह उस विवादित मानचित्र को मंजूरी दे दी जिसमें उत्तराखंड के लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को नेपाल का बताया गया है उससे यही प्रकट होता है कि वहां की सरकार भारत से बैर बढ़ाने पर आमादा है। चूंकि नेपाल की सरकार इस मामले में हद से ज्यादा आगे बढ़ गई है इसलिए वहां के विपक्षी दल भी नीर-क्षीर ढंग से विचार करने के बजाय सत्ताधारी दल से आगे निकलने की होड़ से ग्रस्त हो गए हैं। इसके चलते अंदेशा इस बात का है कि नेपाल की जनता के बीच भारत विरोधी भावनाएं भड़काने का काम जोर पकड़ सकता है। बीते दिनों नेपाली सुरक्षा बल ने बिहार के सीतामढ़ी जिले से लगती सीमा पर जिस तरह भारतीय नागरिकों पर फायरिंग कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी वह माहौल बिगाड़ने की हरकत के अलावा और कुछ नहीं। नेपाल की मौजूदा सरकार के रुख से यह साफ है कि वह इस बात को महत्व देने को तैयार नहीं कि दोनों देशों के सांस्कृतिक-सामाजिक संबंध सदियों पुराने हैं। इन्हीं घनिष्ठ संबंधों के चलते दोनों देशों के लोगों को एक-दूसरे के यहां विशेष सुविधाएं हासिल हैं। इन पर कुठाराघात ठीक नहीं। हालांकि भारत इस कोशिश में है कि नेपाल ने जो विवाद खड़ा किया है उसे बातचीत से सुलझा लिया जाए, लेकिन यह तो तभी संभव होगा जब वहां की सरकार इसके लिए इच्छुक होगी। वह तो ऐसे व्यवहार कर रही है कि जैसे भारत ने सचमुच उसके किसी भूभाग पर कब्जा कर लिया है। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि इस बेजा व्यवहार के पीछे चीन का हाथ है। नेपाल की कम्युनिस्ट सरकार ने कम्युनिस्ट चीनी सत्ता के इशारे पर भारत के खिलाफ जिस तरह मोर्चा खोल दिया है उससे यही साबित होता है कि वह चीन की गोद में बैठने को तैयार है। नेपाली प्रधानमंत्री किस तरह भारत विरोध को हवा दे रहे हैं, इसका एक उदाहरण है उनका यह बेतुका बयान कि वुहान से आए कोरोना वायरस से कहीं घातक है भारत से आया कोरोना वायरस। भारतीय क्षेत्र को नेपाल का हिस्सा बताने का उनका दावा भी हास्यास्पद है। इस क्षेत्र में जब भारत ने चीन की सीमा तक सड़क बना ली तब उन्हें यह याद आया कि यह इलाका तो नेपाल का है। आखिर जब इस सड़क को बनाने की घोषणा हुई और जब निर्माण कार्य शुरू हुआ तब नेपाल सरकार कहां थी? चूंकि नेपाल सरकार न केवल बेबुनियाद दावा कर रही है, बल्कि चीन की शह पर भारत से संबंध बिगाड़ने पर भी तुली है इसलिए भारतीय नेतृत्व को संयम बरतने के साथ ही सतर्कता का भी परिचय देना होगा।

आते कल की कुछ आशंकाएं

शशि शेखर

गए शुक्रवार को अमिताभ बच्चन और आयुष्मान खुराना की फिल्म गुलाबो सिताबो अमेजन पर रिलीज हुई। तथाकथित 'न्यू नॉर्मल' का गाजे-बाजे से स्वागत करने वाले इसे भले ही अभूतपूर्व घटना बताया करें, पर सच यह है कि कोरोना ने दुनिया का चाल, चरित्र और चेहरा बदलना शुरू कर दिया है। जान लीजिए। विभीषिकाएं खुद को कभी जाया नहीं करतीं। वे सिर्फ इंसानों की जान नहीं लेतीं, रह बचे लोगों के ईमान पर चोट भी पहुंचाती हैं। इस विभीषिका के शुरुआती ढाई महीनों ने पांच हजार साल से अधिक पुराने हमारे समाज की शक्ल बदरंग करनी शुरू कर दी है। एक उदाहरण देता हूं। मई की शुरुआत में नोएडा की व्यावसायिक गतिविधियों का हृदय माने जाने वाले सेक्टर-18 के सामने बीच सड़क पर बैठी महिला और उसका बच्चा चीत्कार कर रहे थे। उनके साथ जो हुआ, वह शर्मनाक था। लॉकडाउन की वजह से एक फैक्टरी में कार्यरत उसके पति की नौकरी चली गई थी। घर में कई दिनों से अन्न का दाना तक न था। कई किलोमीटर पैदल चलकर वह अपने एक रिश्तेदार के यहां पहुंची थी। तमाम मिन्नतों के बाद उसे पांच हजार रुपये हासिल हुए थे। अपने बेटे के साथ वह वापस लौट रही थी, तभी मोटर साइकिल पर सवार दो झपटमारों ने उसके पैसे छीन लिए। इस भयंकर आघात से उपजे चीत्कार को सुनने वाला कोई न था। चारों ओर खड़ी बहुमंजिली इमारतें और सूने राजमार्ग पर पसरा सन्नाटा उसके दुख-दर्द को मुंह चिढ़ा रहा था। भूख मिटाने के लिए दूसरे भूखे के मुंह से निवाला छीनने का यह अकेला मामला नहीं है। देश की राजधानी दिल्ली में पिछले महीने आधा दर्जन से अधिक ऐसे झपटमार पकड़े जा चुके हैं, जिनका जरायम से कभी कोई वास्ता न था। मार्च के अंत तक वे छोटी-मोटी नौकरी के जरिए बसर करते थे। लॉकडाउन ने उनका रोजगार छीन लिया और परिजनों की क्षुधा शांति के लिए उन्हें अन्य कोई तरीका नहीं सूझा। वे झपटमार बन गए। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद क्या वे अपनी पुरानी जिंदगी में लौट सकेंगे? यह सिर्फ दिल्ली और एनसीआर में रहने वालों की व्यथा-कथा नहीं है। अगर यहां पूरे देश की गाथा बयान करने की कोशिश करूं, तो यह पन्ना छोटा पड़ जाएगा। बस इतना जान लीजिए, 'न्यू नॉर्मल' के साये में 'न्यू ऐब्नॉर्मलिटी' की लंबी दास्तान उकेरी जा रही है, अभी तो सिर्फ इसकी भूमिका सामने आई है। आप सोच रहे होंगे कि इस निबंध की शुरुआत मैंने गुलाबो सिताबो से क्यों की थी? बता दूं, सिने इंडस्ट्री से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर करोड़ों लोगों का पेट भरता है। यदि डिजिटल प्लेटफॉर्म उनकी जगह ले लेंगे, तो पहले से बेरोजगारी से बजबजाती अर्थव्यवस्था उनका भार कैसे उठाएगी? मुंबई 1980 के दशक में यह त्रासदी भोग चुकी है। 18 जनवरी, 1982 को दत्ता सामंत की अगुवाई में शुरू हुई मिल श्रमिकों की हड़ताल ने कपड़ा मिल मालिकों को शटर गिराने पर मजबूर कर दिया था। उस समय तमाम खबरें छपी थीं कि किस तरह माया नगरी में 'फ्लैश-ट्रेड' पनप चला था। वे श्रमिकों के परिवार की खुद्दार महिलाएं थीं, जिन्हें बदहाली ने स्वाभिमान से समझौते को विवश किया था। सिने उद्योग सिर्फ मुंबई नहीं, बल्कि समूचे देश की अर्थसत्ता में भागीदारी निभाता है। उसका

बदलाव अनगिनत लोगों के जीवन में ढलान लेकर आएगा और फिर यह अकेला उद्योग नहीं है, जो चोला बदल रहा है। सभी परिवर्तन की ओर हैं। यह सिलसिला निम्न और मध्यवर्ग पर बहुत भारी पड़ने जा रहा है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ भारत में यह अनर्थ आकार ले रहा है। समूची दुनिया बेबस विषमताओं से बजबजाने लगी है। असंतोष का लावा तरह-तरह से फूट चला है। एक अश्वेत जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस द्वारा निर्मम हत्या के बाद अमेरिका में प्रदर्शनों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। 29 मई को तो हालात यहां तक बिगड़ गए थे कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सुरक्षित स्थान पर ले जाना पड़ा था। दशकों से धरती के स्वर्ग में ऐसी हिंसा, घृणा और सामाजिक दरारें नहीं देखी गई थीं। मामला अमेरिका तक सिमटा रहता, तब भी थोड़ी गनीमत होती। यूरोप के तमाम देश इसकी जद में आ गए हैं। बताने की जरूरत नहीं कि ऐसे समय में अपराधियों या अराजकतावादियों की बन आती है। अमेरिका के एक खबरिया चैनल ने कुछ दिन पहले सामूहिक लूट-मार के अचरज भरे दृश्य दिखाए थे। दुनिया ने दांतों तले अंगुली दबाकर देखा कि किस तरह सैकड़ों लोग मॉल व शॉपिंग आर्केड के दरवाजे तोड़कर सामान लूट रहे थे और पुलिस का पता न था। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने तो मध्य अप्रैल में ही आशंका जताई थी कि महामारी अराजकता की ओर ले जा सकती है। इस संगठन के पदाधिकारियों का मानना था कि आर्थिक रूप से विपन्न अफ्रीका में स्थिति बद से बदतर होने जा रही है। वे उस वक्त शायद कल्पना नहीं कर सके थे कि संसार के सबसे धनी-मानी मुल्क अमेरिका में ऐसा हो सकता है। कोरोना ने अमेरिका को अफ्रीका के बराबर ला खड़ा किया। दो दशक पहले जब मैं पहली बार दक्षिण अफ्रीका गया था, तब वहां के अधिकारियों ने चेताया था कि जोहानेसबर्ग और डरबन में आप सरेराह लुट सकते हैं। उन दिनों जोहानेसबर्ग इस महाद्वीप का दूसरा सबसे खतरनाक शहर माना जाता था। अब भले ही वह चौथे नंबर पर पहुंच गया हो, पर इससे वहां के लोगों को गर्व करने की वजह नहीं मिल जाती। यहां शिकागो का हाल जानना दिलचस्प होगा। इस अमेरिकी महानगर में पिछले महीने की आखिरी तारीख खूनी साबित हुई। यहां चौबीस घंटे में 18 कत्ल हुए, जो पिछले छह दशकों का रिकॉर्ड है। इसके पहले के दो दिनों में सात लोगों को हलाक किया गया और 50 से अधिक को गोलियां लगीं। यूरोप के सुविज्ञ-जन चिंतित हैं कि कहीं यही हाल हमारे महाद्वीप का न हो जाए। यूरोपीय अर्थव्यवस्था पहले ही डांवांडोल थी, कोरोना ने उसे अकल्पनीय आघात पहुंचाया है। ऊपर से आर्थिक विश्लेषण करने वाली एजेंसियां यह कहकर धड़कनें बढ़ा रही हैं कि हम अभूतपूर्व मंदी की ओर बढ़ रहे हैं। तय है कि कंपनियों की बैलेंस शीट को धर्मशास्त्रों जैसा सम्मान देने वाले कुछ भी कहते रहें, हम 'न्यू ऐब्नॉर्मल' की ओर बढ़ गए हैं। इस मामले में समूची दुनिया लगभग समान धरातल पर आ खड़ी हुई है। पूंजीवादी समाज के मानवीय सरोकार ऐसे उथले साबित होंगे, ऐसा उसके पैरोकारों तक ने न सोचा था। आगे कैसी विश्व-व्यवस्था बनेगी, इसकी भविष्यवाणी फिलहाल असंभव है। वैसे भी ढलान पर उतरते लोग ऊंचाइयों के

आज के ट्वीट

शांति

यह खबर सुनकर बहुत दुख हुआ सुशांत सिंह राजपूत अब इस दुनिया में नहीं रहे।भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। ऐसी खबरें सुनकर कई बार इस दुनिया से मन भर जाता है।पहले चेहरा कभी क्यों नहीं बता देता मन की।

--बबीता फोगाट

ज्ञान गंगा

नकारात्मक भाव

श्रीराम शर्मा आचार्य/ चारों ओर प्रकाश व्याप्त होने पर भी व्यक्ति अंधकार का रोना रो सकता है और अंधेरा-अंधेरा चीखता-चिल्लाता रह सकता है। इसके मात्र दो ही कारण हो सकते हैं। एक तो यह कि व्यक्ति किसी तंग कोठरी में चारों ओर से बंद दरवाजों और खिड़कियों के भीतर हो। उस स्थिति में बाहरी प्रकाश की, सूर्य देवता की एक भी किरण उस तक नहीं पहुंच सकती। दूसरा कारण व्यक्ति का दृष्टिहीन होना हो सकता है। इन दो कारणों को छोड़कर तीसरा कोई कारण नहीं है कि व्यक्ति अंधकार से दुखी और संतप्त रहे। मनुष्य के जीवन में भी इसी प्रकार दुख और वेदना का कोई अस्तित्व नहीं है। अंधकार एक नकारात्मक सत्ता है, प्रकाश का अभाव है। यह प्रकाश कई बार परिस्थितियों के कारण भी लुप्त हो जाता है, किंतु वैसी स्थिति में परमात्मा ने मनुष्य को वैसी क्षमता दे रखी है कि वह उनका उपयोग कर प्रकाश के अभाव को दूर कर सके। लेकिन अंधकार को देख-देख कर ही जिसे भयभीत होते रहना हो, संतप्त और दुखी रहना हो, तो उसके लिए अंधकार से मुक्त होने का कोई उपाय नहीं है। दुख भी अंधकार के समान नकारात्मक भाव है। उसका कोई अस्तित्व नहीं है। व्यक्ति अपनी भ्रांतियों, गलतियों और त्रुटियों की तंग कोठरी में बंद होकर चारों ओर खिले हुए सुख और आनंद से वंचित रहे, तो इसमें परमात्मा का कोई दोष नहीं है। उसने तो सृष्टि में चारों ओर सुख, आनंद और प्रफुल्लता का प्रकाश बिखेर रखा है। अपनी भ्रांतियों और त्रुटियों की दीवारों में, समझ और दर्शन के दरवाजों, खिड़कियों को बन्द कर कृत्रिम रूप से अंधकार पैदा किया जा सकता है। प्राय- जो दुखी, संतप्त, व्यथित और वेदनाकुल दिखाई देते हैं, उनकी पीड़ा के लिए बाहरी कारण नहीं, अपनी संकीर्णता की दीवारें उत्तरदायी हैं। परिस्थितिवश कोई समस्या या कठिनाई उत्पन्न हो जाए, तो उसके लिए भी शोध करना आवश्यक नहीं है। परमात्मा ने अंधकार को दूर भगाने की तरह मनुष्य को उन समस्याओं और कठिनाइयों को सुलझाने की क्षमता दे रखी है। वह उस क्षमता का उपयोग कर अपने लिये सुख और आनंद का मार्ग खोज सकता है और दुख रूपी अंधकार को दूर हटा सकता है। बहुधा लोग दुख और सुख के संबंध में दृष्टिभ्रम के शिकार होते हैं। परिस्थितियां कैसी भी हों, व्यक्ति यदि सुलझे और सुथरे दृष्टिकोण वाला हो, तो बुरे हालात में भी सुखी व आनंदित रह सकता है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

अपने बच्चों से कहें कि नस्लभेद मंजूर नहीं

जेरोम बोआटेंग जर्मन फुटबॉलर

नस्लवादी भेदभाव और जातीय हिंसा को लेकर दुनिया जब-जब उबलती है, तब-तब एक बड़े इंसानी तबके की पीड़ा दोहरी हो जाती है, क्योंकि यह तबका दो नस्लों के बीच का पुल है। और यही लोग इस संसार को कहीं ज्यादा खूबसूरत और मानवीय बनाते हैं। मगर अफसोस! इनके दर्द, एहसासों की तरफ किसी का ध्यान ही नहीं जाता। महान फुटबॉलर जेरोम बोआटेंग इसी वर्ग से आते हैं। जेरोम के पिता प्रिंस बोआटेंग घाना मूल के हैं, जबकि मां मार्टिना जर्मनी की। एक बेहतर भविष्य की तलाश में प्रिंस अपना देश छोड़कर हंगरी चले गए थे, मगर जल्द ही उन्हें यह एहसास हो गया कि इस मुल्क में उनके ख्वाब पूरे नहीं हो पाएंगे, सो अपने सपनों को समेटे हुए 1981 में वह जर्मनी आ गए। हसरत थी कि प्रशासन की पढ़ाई करके यूरोप में कोई ऊंचा मुकाम हासिल किया जाए। मगर अपने इस मकसद में वह यहां भी कामयाब न हो पाए। घाना लौटना मुश्किल था, क्योंकि यह ख्याल तो वह सरहद पर ही छोड़ आए थे। जीना था, इसलिए जिंदगी की जरूरतें वेटर के काम तक ले आईं। बाद में उन्होंने बतौर डीजे भी काम किया। उनके परिवार का फुटबॉल से गहरा लगाव था। प्रिंस के भाई रॉबर्ट बोआटेंग तो घाना की नेशनल टीम के सदस्य बन चुके थे। सो प्रिंस ने भी इस क्षेत्र में किस्मत आजमाने का फैसला किया। वह बर्लिन के एक स्थानीय क्लब के लिए खेलने लगे, ताकि पहचान के साथ-साथ पैसे भी कमा सकें। प्रिंस और मार्टिना की दुनिया में जेरोम की आमद 3 सितंबर, 1988 को हुई। इसके पहले जॉर्ज पैदा हुए थे। जेरोम का बचपन खुशगवार इसलिए भी बीता कि उसमें उनके भाई दोस्त की भूमिका में थे। जेरोम के पिता ने दो शादियां की थीं। उनकी पहली शादी से केविन-प्रिंस पैदा हुए थे, जो जेरोम से करीब डेढ़ साल बड़े हैं। बचपन में केविन अपनी मां के साथ बर्लिन की एक अलग कॉलोनी में रहते थे। वह शहर का गरीब इलाका हुआ करता था, जबकि जॉर्ज और जेरोम अपने पिता के साथ जहां रहते थे, वह संपन्न इलाकों में शुमार होता है। मगर इससे तीनों भाइयों के रिश्तों में कभी कोई दूरी नहीं आई, क्योंकि पिता ने उन पर अपनी स्नेह-वर्षा में कभी कोई फर्क नहीं किया। वह हर सप्ताहांत में तीनों बेटों के साथ अपना वक्त बिताते थे। फुटबॉल की बारीकियां उन्होंने तीनों को एक साथ समझाईं, मगर हाथ की पांचों अंगुलियां ही कहां बराबर होती हैं? कहते हैं, खेल के लिहाज से बड़े भाई जॉर्ज सबसे प्रतिभाशाली थे, पर मंझले ने फुटबॉल की दुनिया में सर्वाधिक सुर्खियां बटोरीं, हालांकि बेमिसाल कामयाबी सबसे छोटे जेरोम के हिस्से आई। बड़े भाई जॉर्ज को एक मामले में कुछ दिनों की कैद हो गई। वह इस सदमे से उबर नहीं पाए। पिता और भाइयों ने बहुत समझाया, मगर उनका मन उचट गया था। उन्होंने अपना करियर ही बदल लिया। संगीत की तरफ मुड़ गए। पिता की सारी उम्मीदें अब बाकी दोनों बेटों पर आ टिकी थीं। दोनों ने उन्हें निराश नहीं किया। बतौर पेशेवर फुटबॉलर इन दोनों को 'हर्था बीएससी बर्लिन' ने तराशा। जेरोम इस एकेडेमी में साल 2002 में शामिल हुए और यहां उन्होंने 2006 तक शिक्षा ग्रहण की। इससे पहले उन्होंने करीब

छह वर्ष बोरूसिया बर्लिन फुटबॉल क्लब में बिताए थे। साल 2007 में 10 मार्च को जेरोम पहली बार मैदान में उतरे। वह मैच हर्था और बोरूसिया के बीच ही था। 19 साल के युवा ने अपनी खेल प्रतिभा से सबको हैरान कर दिया। और फिर तो पीछे मुड़कर देखने का सवाल ही नहीं था। उस सीजन के अंत तक जेरोम ने सात मैच खेले। उनका जादू अब क्लब मालिकों पर छाने लगा था। उसी साल की गरमियों में वह हम्बर्ग फुटबॉल क्लब की टीम में थे।

टीम ने मिडफील्ड के लिए उन्हें दो करोड़ 13 लाख से अधिक की फीस चुकाई थी। जाहिर है, जौहर के साथ-साथ रकम जबर्दस्त बढ़ती गई। इस बीच केविन प्रिंस लंदन चले गए। केविन जहां स्वभाव से बिंदास रहे, वहीं जेरोम इसके उलट थे। केविन भी मैदान में अपना जलवा बिखेरते रहे, मगर नाइट क्लब पार्टियों के उनके किस्सों ने मीडिया को ज्यादा आकर्षित किया। बहरहाल, शोहरत और दौलत ने दोनों भाइयों का दामन मजबूती से थामे रखा। फिर 2010 का विश्व कप आया। जब दो भाई बतौर पेशेवर प्रतिद्वंद्वी एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में थे। बाद में जेरोम ने अपने भाई से सोशल मीडिया पर चैटिंग के दौरान लिखा- 'हम दोनों बेहद दबाव में थे। मैं तो ठीक से सो भी न सका, क्योंकि हमारे अपने हमारा खेल देखने जा रहे थे। यकीनन, उन्हें हम पर गर्व हुआ होगा।' साल 2014 के फुटबॉल विश्व कप की विजेता टीम के सदस्य जेरोम बोआटेंग अमेरिका की घटना से बेहद दुखी हैं। हाल ही में उनका बयान आया है, 'कोई बच्चा जन्म से नस्लभेदी नहीं होता। यह माता-पिता के ऊपर है कि वे अपने बच्चों को क्या सिखाते हैं। हमारे बच्चे इन चीजों का सामना करेंगे, यह सबसे बुरा होगा। इसलिए हम सब अपने बच्चों को सिखाएं कि नस्लभेद किसी रूप में मंजूर नहीं है।'

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने आठ सप्ताह में दुनियाभर के बड़े निवेशकों से 1.04 लाख करोड़ रुपये जुटाए

नयी दिल्ली,

तेल से लेकर दूरसंचार क्षेत्र में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले करीब आठ सप्ताह में बड़े और चर्चित निवेशकों को अपनी डिजिटल इकाई जियो प्लेटफार्म्स की अल्पांश हिस्सेदारी बेचकर रिकॉर्ड 1.04 लाख करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। कंपनी ने शनिवार को जियो प्लेटफार्म्स में 0.93 प्रतिशत हिस्सेदारी वैश्विक निवेश फर्म टीपीजी को 4,546.80 करोड़ रुपये में बेचने की घोषणा की। इसके साथ ही कंपनी ने इसी दिन जियो की 0.39 प्रतिशत हिस्सेदारी निजी इक्विटी कंपनी एल कैटरटन को 1,894.50 करोड़ रुपये में बेची है। कंपनी ने बयान में कहा कि इसके साथ वह अब तक फेसबुक सहित विभिन्न निवेशकों को जियो की 22.38 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 1,04,326.95 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। जियो प्लेटफार्म्स में कंपनी की दूरसंचार इकाई रिलायंस जियो इन्फोकॉम और उसकी म्यूजिक और वीडियो स्ट्रीमिंग एप्स शामिल हैं। इससे जियो प्लेटफार्म्स का मूल्यांकन 5.16 लाख करोड़ रुपये बैठता है। सबसे पहले फेसबुक ने 22 अप्रैल को जियो में 43,573.62 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की थी। उसके बाद से जियो को लगातार निवेश मिल रहा है। फेसबुक के अलावा रिलायंस दुनिया के कई अन्य बड़े निवेशकों को जियो में ऐसे समय निवेश के लिए आकर्षित करने में सफल रही है जबकि कोरोना वायरस महामारी की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था एक तरह से मंदी से घिरी हुई है। अब फेसबुक सहित नौ बड़े या चर्चित निवेशकों के पास सामूहिक रूप से जियो प्लेटफार्म्स में 22.38 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सबसे अधिक 9.99 प्रतिशत की हिस्सेदारी फेसबुक के पास है। फेसबुक के बाद चार मई को दुनिया की सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी निवेशक सिल्वर लेक ने जियो मंच में 1.15 प्रतिशत हिस्सेदारी 5,665.75 करोड़ रुपये में खरीदी। इसके बाद सिल्वर लेक ने पांच जून को 4,546.80 करोड़ रुपये में जियो की अतिरिक्त 0.93 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा। अब उसके पास जियो की 2.08 प्रतिशत हिस्सेदारी है। निजी इक्विटी कंपी केकेआर ने 22 मई को जियो में 2.32 प्रतिशत हिस्सेदारी 11,367 करोड़ रुपये में हासिल की। विस्टा इक्विटी पार्टनर्स ने आठ मई को इसमें 2.32 प्रतिशत हिस्सेदारी 11,367 करोड़ रुपये में खरीदी थी। अबू धाबी के सॉवरेन संपदा कोष मुबाडला इन्वेस्टमेंट कंपनी ने पांच जून को जियो प्लेटफार्म्स में 1.85 प्रतिशत हिस्सेदारी 9,093.60 करोड़ रुपये में हासिल की। अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) ने सात जून को जियो में 5,683.50 करोड़ रुपये का निवेश कर 1.16 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की। 17 मई को वैश्विक इक्विटी फर्म जनरल अटलांटिक ने 1.34 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण 6,598.38 करोड़ रुपये में करने की घोषणा की। ग्राहकों की संख्या के लिहाज से रिलायंस जियो देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है। कंपनी के ग्राहकों की संख्या 38.8 करोड़ है।

कोटक ने कहा, कोविड- 19 संकट के दौरान कमजोर कारोबार के अधिग्रहण के खिलाफ नहीं

नई दिल्ली: भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के नवनियुक्त अध्यक्ष उदय कोटक ने कहा है कि वह कोविड-19 संकट के बीच निवेशकों के हित में होने पर कमजोर इकाइयों का वित्तीय रूप से मजबूत कंपनियों द्वारा अधिग्रहण करने के विचार के खिलाफ नहीं हैं। कोटक ने कहा कि इस महामारी की वजह से निवेशकों को पहले ही बड़ा झटका लगा है। ऐसे में निवेशक को अपने निवेश को बेचने से क्यों रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पर फैसला निवेशक पर छोड़ दिया जाना चाहिए। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि रणनीतिक कारणों से सरकार को कुछ देशों के निवेशकों द्वारा बाजार बिगाड़ने वाले अधिग्रहणों से घरेलू कंपनियों को बचाने के लिए कदम उठाने चाहिए। कोटक ने कहा, ''यदि यह पैसा उन देशों से आ रहा है जिनके साथ कोई रणनीतिक मुद्दा है, तो यह पूरी तरह से अलग मामला है। यहां तक कि अमेरिका भी अपने कुछ रणनीतिक क्षेत्रों को कुछ कारणों से कुछ देशों से बचाना चाहता है। ऐसे में मैं कहूंगा कि यह पूरी तरह से भिन्न वजह है।'' जहां तक घरेलू निवेशकों द्वारा अधिग्रहण का सवाल है, इस पर कोटक ने कहा, ''हमें दोनों पक्षों के हितों को देखना होगा। एक तरह मौजूदा प्रबंधन का हित है जों संकट से जूझ रहा है, जबकि दूसरा पक्ष निवेशक के धन के खराब प्रदर्शन का है।'' एक उदारहण देते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी निवेशक को अपने 100 रुपए के निवेश पर 70 रुपए मिल रहे हैं, जबकि उसका मौजूदा मूल्य 30 रुपए ही है, तो उसके निकलने की अनुमति दी जानी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि हमें चीजों को निवेशक के चश्मे से देखना होगा। कोविड-19 संकट और मांग में अचानक आई गिरावट से दुनियाभर के उद्योग प्रभावित हुए हैं। इस संकट ने अधिक संपन्न कंपनियों को संकट में फंसी फर्मों के काफी कम मूल्यांकन पर अधिग्रहण का अवसर दिया है।

जल्द ही बाजारों में मिलने लगेगी 'डाल की पकी दशहरी'

नई दिल्लीः ''डाल की पकी दशहरी ले लो'' यह आवाज कुछ ही दिनों में गलियों में आम हो जाएगी। अधिकतर विक्रेता यह बोल कर ग्राहकों को लुभाने में सफल हो जाते हैं क्योंकि उनके दिमाग में समय से पहले तोड़कर पकाई गई कम मीठे असामान्य दशहरी की छवि होती है। केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के निदेशक शैलेन्द्र राजन के अनुसार लखनऊ के मार्केट में आम के सीजन की शुरुआत मार्च में ही हो जाती है जब दक्षिण भारत से बंगनापल्ली और तोतापुरी आम आने लगते हैं। लखनऊ के कुछ विशेष बाज़ारों में अल्फांसो भी दिखाई देने लगता है लेकिन शायद आम आदमी को इसका स्वाद रास ना आए क्योंकि दाम मई में मिलने वाले आम के मुकाबले 10 गुना तक ज्यादा हो सकता है। कुछ ही दिनों में लाल रंग की किस्म स्वर्णरिखा भी मार्केट में दिखाई देने लगती है लेकिन सीजन की शुरुआत में दशहरी की कमी अखरती है और शायद यही कारण है कि कुछ लोग दशहरी के आने की बड़ी ही बेकरारी से इंतजार करते हैं डॉ राजन के अनुसार दशहरी के मार्केट में आते ही पूरा लखनऊ आममय हो जाता है, जगह-जगह पर गलियों, ठेले और डलियों में आम बेचते हुए लोग मिल जाएंगे। कुछ लोग इस सीजन में सब कुछ छोड़ कर आम के धंधे पर ही निर्भर हो जाते हैं । दशहरी आम की बाजार में शुरुआत मई के दूसरे पखवाड़े में हो जाती है लेकिन आज ग्राहक जानते हैं कि यह शुरुआती आम जबरदस्ती पकाया हुआ है। कार्बाइड के कारण होने वाली समस्याओं के प्रति जागरूकता ने शुरू-शुरू में आने वाले आम की मांग को कम किया है हालांकि अच्छा मुनाफा आम को इस समय ही बेचने से मिलता है लेकिन यह सब स्वाद और गुणवत्ता के आधार पर। लखनऊ में दशहरी का तो असली स्वाद 15 जून के बाद ही आता है। दशहरी के लिए लखनऊ मशहूर है लेकिन इसकी खासियत के कारण दूसरे राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, ओडिशा में भी खेती की जाने लगी है। इसका एक कारण, उत्तर भारतीय लोगों का इन राज्यों में बस जाने के साथ ही बेहतरीन गुणवत्ता के कारण दशहरी का लोगों को लुभाना माना जा सकता है। इन राज्यों में भी लोग दशहरी की खेप का इंतजार करने लगे हैं लेकिन उन्हें शायद लखनऊवासियों से पहले ही दशहरी नसीब हो जाता है। कुछ राज्यों में तो दशहरी के फल अप्रैल अंत या मई के प्रथम सप्ताह में ही मिलने लगते हैं और इसका मुनाफा विक्रेता दिल्ली या दूसरे मार्केट में दशहरी जल्दी उपलब्ध करा कर प्राप्त करते हैं। देश के प्रमुख बाज़ारो में दूसरे राज्यों से दशहरी कितनी ही जल्दी आ जाए, लोग लखनऊ की दशहरी का इंतजार करते हैं।

चालू वित्त वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण की दिशा में पहल करना मुश्किल

नई दिल्ली: कोरोना वायरस संकट के चलते शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव और संपत्तियों के कम मूल्यांकन के साथ ही बैंकों की फंसी संपत्ति में वृद्धि को देखते हुए चालू वित्त वर्ष के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के किसी भी बैंक में निजीकरण की दिशा में पहल होने की संभावना बहुत कम है। सूत्रों ने यह कहा है। फिलहाल सार्वजनिक क्षेत्र के चार बैंक आरबीआई की त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) रूपरेखा के अंतर्गत हैं। इसके कारण उन पर कर्ज देने, प्रबंधन क्षतिपूर्ति और निदेशकों के शुल्क समेत कई प्रकार की पाबंदियां हैं। सूत्रों ने कहा कि ऐसे में इन बैंकों इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी), सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया को बेचने का कोई मतलब नहीं है। मौजूदा हालात में निजी क्षेत्र से कोई भी इन्हें लेने को इच्छुक नहीं होगा। उसने कहा कि सरकार रणनीतिक क्षेत्र की इन इकाइयों को संकट के समय जल्दबाजी में नहीं बेचना चाहेगी। उल्लेखनीय है कि मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति सुब्रमणियम ने पिछले सप्ताह बैंकों के निजीकरण का संकेत दिया। निजीकरण की नीति के बारे में उन्होंने कहा कि बैंक रणनीतिक क्षेत्र का हिस्सा होगा और सरकार रणनीतिक तथा गैर-रणनीतिक क्षेत्रों को चिन्हित करने की दिशा में काम कर रही है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, ''गैर-रणनीतिक क्षेत्रों में सभी सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण किया जाएगा।

एनसीएलटी ने जेट एयरवेज को बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित कार्यालय बेचने की अनुमति दी

मुंबई। एनसीएलटी ने जेट एयरवेज को उसके बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित परिसर को बेचने की इजाजत दे दी है। इस बिक्री से मिली धनराशि का इस्तेमाल बंधक कर्जदाता एचडीएफसी का 360 करोड़ रुपये का बकाया चुकाने, विदेशी ऋण को खत्म करने और कॉरपोरेट दिवालिया समाधान प्रक्रिया की लागत वहन करने के लिए किया जाएगा। जेट एयरवेज के दिवालिया समाधान पेशेवर आशीष छावछरिया ने विदेशी ऋण को चुकाने के लिए गोदरेड बीकेसी भवन में उसकी तीसरी और चौथी मंजिल को बेचने के लिए एनसीएलटी से मंजूरी मांगी थी। जेट एयरवेज विदेशी ऋण चुकाकर अमेरिकी निर्यात-आयात बैंक से छह विमानों का स्वामित्व पा सकेगी। दिवालिया पेशेवर ने ऋणदाताओं की समिति की 10वीं बैठक में 74.45 फीसदी मतों से इस प्रस्ताव की मंजूरी मिलने के बाद 24 अप्रैल को न्यायाधिकरण से बिक्री के लिए अनुमति मांगी थी। एनसीएलटी की प्रधान पीठ ने इस संबंध में 11 जून को एयरलाइंस को परिसर को बेचने की इजाजत दी। आदेश में कहा गया कि ऋणदाताओं ने संपत्ति के लिए आरक्षित मूल्य 490 करोड़ रुपये रखा है। सूत्रों के अनुसार 26 जून को इसके लिए नीलामी होने की उम्मीद है।

वाहन डीलरशिप स्तर पर नौकरियों का होगा नुकसान, पिछले साल से ज्यादा बुरी स्थिति की आशंकाः फाडा

नई दिल्ली:

वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने आशंका जताई है कि कोरोना वायरस महामारी की वजह से डीलरों के स्तर पर बड़े पैमाने पर नौकरियां जा सकती हैं। फाडा का मानना है कि डीलरों के स्तर पर काम करने वालों को बड़ी संख्या में रोजगार से हाथ धोना पड़ सकता है। यह स्थिति पिछले साल से अधिक बुरी होने वाली है जबकि वाहन बाजार में लंबे समय तक जारी सुस्ती की वजह से करीब दो लाख लोगों को नौकरी गंवानी पड़ी थी। फाडा ने हालांकि, कहा कि इस बारे में सही तस्वीर इस महीने के अंत तक उभरकर सामने आएगी। उस समय एसोसिएशन एक सर्वे कराएगी जिससे पता चलेगा कि उसके डीलर सदस्य अपने आउटलेट्स और श्रमबल में कमी को लेकर क्या योजना बना रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या इस बात की आशंका है कि डीलरशिप में कोविड-19 के प्रभाव की वजह से 2019 की तुलना में अधिक नौकरियां जा सकती हैं, फाडा के अध्यक्ष हर्षराज काले ने कहा, ''यदि मांग नहीं सुधरती है, तो निश्चित रूप से ऐसा होगा।'' बिक्री में भारी गिरावट के बीच पिछले साल मई से जून के दौरान देश भर में वाहन डीलरशिप द्वारा करीब दो लाख नौकरियों की कटौती की गई थी। हालांकि, काले ने इसके साथ ही कहा कि कोविड-19 की वजह से किस तरह की नौकिरयों में कमी आएगी, इसकी स्पष्ट तस्वीर इस महीने के अंत तक ही सामने आएगी। अप्रैल और मई में पूरी तरह लॉकडाउन रहा, ऐसे में आप यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि मांग की स्थिति अब क्या रहेगी। उन्होंने कहा कि जून के अंत तक ही यह पता चलेगा कि इस महामारी ने अर्थव्यवस्था को कितनी चोट पहुंचाई है। कौन सा बाजार क्षेत्र, शहरी और ग्रामीण में से, अधिक प्रभावित हुआ है। या फिर दोनों पर असर पड़ा है। साथ ही यह भी पता चलेगा कि उच्च वर्ग या मध्यम वर्ग पर कोविड-19 की मार अधिक पड़ी है।

नहीं थम रहा पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी का सिलसिला, पेट्रोल 62 पैसे और डीजल 64 पैसे लीटर महंगा

नयी दिल्ली।

तेल कंपनियों ने रविवार को पेट्रोल के दाम 62 पैसे लीटर और डीजल के मूल्य में 64 पैसे लीटर की बढ़ोतरी की। यह लगातार आठवां दिन है जब तेल कंपनियों ने लागत के हिसाब से दोनों ईंधन के मूल्य समायोजित किये हैं। इससे पहले 82 दिनों तक पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किये गये थे। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों की कीमत अधिसूचना के अनुसारदिल्ली में पेट्रोल का मूल्य 75.16 रुपये से बढ़कर बढ़कर 75.78 रुपये लीटर जबकि डीजल के दाम 73.39 रुपये से बढ़कर 74.03 रुपये पहुंच गये हैं। कीमत में यह बढ़ोतरी देशभर में की गई हैं लेकिन प्रत्येक राज्य में वैट (मूल्य वर्धित कर) अथवा स्थानीय बिक्री कर के आधार पर इनके दामों में अंतर हो सकते हैं। तेल कंपनियां जून 2017 के बाद से दैनिक आधार पर कीमतों की समीक्षा कर रही हैं। तब से पेट्रोल के दाम में 62 पैसे और डीजल के मूल्य में 64 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी सर्वाधिक है। कंपनियों ने कीमतों की समीक्षा 82 दिनों तक स्थगित रखने के बाद सात जून से दाम में लागत के हिसाब से फेर-बदल शुरू किया था। उसके बाद से यह लगातार आठवां दिन है जब ईंधन के दाम बढ़े हैं। पिछले आठ दिनों में पेट्रोल के दामों में 4.52 रुपये प्रति लीटर और डीजल की दर में 4.64 रुपये लीटर की कुल वृद्धि हुई है। दैनिक कीमत समीक्षा शुरू होने के बाद से आठ दिनों में यह सर्वाधिक वृद्धि है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोरोना वायरस महामारी के कारण कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का लाभ उठाने और अतिरिक्त संसाधन जुटाने के इरादे से सरकार ने 14 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। उसके बाद तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने कीमतों की दैनिक समीक्षा रोक दी थी। उसके बाद सरकार ने फिर पांच मई को पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिये। इस दो बार की वृद्धि से सरकार को 2 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त कर राजस्व प्राप्त हुए। तेल कंपनियों ने हालांकि, उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी का भार ग्राहकों पर नहीं डाला, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ उसे समायोजित कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव के कारण तेल कीमतों की दैनिक समीक्षा को रोक दिया गया था। अब जबकि बाजार में कुछ हद तक स्थिरता दिखने लगी है दैनिक मूल्य समीक्षा शुरू कर दी गई है।

सरकार की ओर से बफर स्टॉक बनाने के नेफेड ने 25,000 टन प्याज खरीदा

नयी दिल्ली।

नेफेड ने रविवार को कहा कि सरकार की ओर से बफर स्टॉक बनाने के लिए उसने अब तक 25,000 टन प्याज खरीदा है।ये खरीद किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), सहकारी समितियों और प्रत्यक्ष खरीद केंद्रों से प्रचलित दरों पर की गई। पिछले साल, नेफेड ने 2018-19 रबी (सर्दियों) की फसल से कुल 57,000 टन प्याज खरीदा था। नेफेड ने कहा कि इस बार प्रमुख उत्पादक राज्यों से एक लाख टन प्याज खरीदने का लक्ष्य है। भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) ने एक बयान में कहा कि इस पहल से कोविड-19 महामारी के प्रकोप के दौरान प्याज की घरेलू कीमतों को स्थिर रखने में मदद मिलेगी और साथ प्याज की कमी वाले महीनों में भी कीमतें कम रहेंगी। नेफेड पहले ही प्रचलित दरों पर 25,000 टन प्याज खरीद चुका है। यह खरीद महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में एफपीओ, सहकारी समितियों के साथ ही प्रत्यक्ष खरीद केंद्रों के जरिए की जा रही है।

इस समय अच्छी औसत गुणवत्ता वाले प्याज की कीमत 1,000 रुपये से 1,400 रुपये प्रति क्विंटल के बीच है। प्रमुख शहरों में प्याज की कीमतें 20 रुपये से 30 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच हैं।

नौकरियों को लेकर आने वाला है बड़ा संकट, फाडा की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रांसपोर्ट डीलरशिप की होगी बुरी स्थिति

नयी दिल्ली।

वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने आशंका जताई है कि कोरोना वायरस महामारी की वजह से डीलरों के स्तर पर बड़े पैमाने पर नौकरियां जा सकती हैं। फाडा का मानना है कि डीलरों के स्तर पर काम करने वालों को बड़ी संख्या में रोजगार से हाथ धोना पड़ सकता है। यह स्थिति पिछले साल से अधिक बुरी होने वाली है जबकि वाहन बाजार में लंबे समय तक जारी सुस्ती की वजह से करीब दो लाख लोगों को नौकरी गंवानी पड़ी थी। फाडा ने हालांकि, कहा कि इस बारे में सही तस्वीर इस महीने के अंत तक उभरकर सामने आएगी। उस समय एसोसिएशन एक सर्वे कराएगी जिससे पता चलेगा कि उसके डीलर सदस्य अपने आउटलेट्स और श्रमबल में कमी को लेकर क्या योजना बना रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या इस बात की आशंका है कि डीलरशिप में कोविड-19 के प्रभाव की वजह से 2019 की तुलना में अधिक नौकरियां जा सकती हैं, फाडा के अध्यक्ष हर्षराज काले ने पीटीआई-से कहा, ''यदि मांग नहीं सुधरती है, तो निश्चित रूप से ऐसा होगा।'' बिक्री में भारी गिरावट के बीच पिछले साल मई से जून के दौरान देश भर में वाहन डीलरशिप द्वारा करीब दो लाख नौकरियों की कटौती की गई थी। हालांकि, काले ने इसके साथ ही कहा कि कोविड-19 की वजह से किस तरह की नौकिरयों में कमी आएगी, इसकी स्पष्ट तस्वीर इस महीने के अंत तक ही सामने आएगी। अप्रैल और मई में पूरी तरह लॉकडाउन रहा, ऐसे में आप यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि मांग की स्थिति अब क्या रहेगी। उन्होंने कहा कि जून के अंत तक ही यह पता चलेगा कि इस महामारी ने अर्थव्यवस्था को कितनी चोट पहुंचाई है। कौन सा बाजार क्षेत्र, शहरी और ग्रामीण में से, अधिक प्रभावित हुआ है। या फिर दोनों पर असर पड़ा है। साथ ही यह भी पता चलेगा कि उच्च वर्ग या मध्यम वर्ग पर कोविड-19 की मार अधिक पड़ी है।

ट्रांसपोर्टरों का आरोप- मध्य प्रदेश में जमकर हो रही वसूली, प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की अपील

नयी दिल्ली।

ट्रक ऑपरेटरों ने आरोप लगाया है कि कोविड-19 संकट के बीच मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की सीमाओं पर ट्रक चालको से जमकर वसूली की जा रही है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की अपील की है। एआईएमटीसी ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि राज्यों की सीमाओं पर विशेषरूप से मध्य प्रदेश में उनसे प्रति वाहन 1,200 से 3,000 रुपये का 'प्रवेश शुल्क'वसूला जा रहा है। पत्र में कहा गया है कि यदि कोई ट्रक परिचालक प्रवेश शुल्क देने से मना करता है तो उसके वाहन को रोक लिया जाता है और एक या दूसरी वजह बताकर जुर्माना लगाया जाता है। एआईएमटीसी ट्रांसपोर्टरों का शीर्ष संगठन है। करीब 95 लाख ट्रक मालिक इसके सदस्य हैं। पत्र में कहा गया है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद सीमाओं या अन्य स्थानों पर कोई क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) या कोई 'चेकपोस्ट' नहीं होना चाहिए जिससे परिवहन के वाहनों की सुगमता से आवाजाही सुनिश्चित हो सके। पत्र में कहा गया है कि जीएसटी कानून का प्रमुख लक्ष्य शून्य भ्रष्टाचार है, जो पूरा नहीं हो पा रहा है। राज्यों की सीमाओं पर चेकपोस्ट या चौकियां लगातार काम कर रही है। इन पर चौकियां सिर्फ गरीब ट्रक परिचालकों से उगाही और उन्हें परेशान करने का काम होता है। यहां सिर्फ भ्रष्टाचार होता है। पत्र में कहा गया है कि मध्य प्रदेश में सेंधावा, बरहनपुर, मुल्ताई, पिथोल, नयागांव, डोगरगांव, सोयात, हनुमान, चकघाट, मोरेना, नवगांव, जलगांव, बेहरमपुर, माछलपुर, जीरापुर, धोलपुल और छिंदवाड़ा की चौकियों पर ट्रक ऑपरेटरों को सबसे अधिक परेशान किया जाता है। इन चौकियों पर ट्रक वालों से प्रति वाहन 1,200 से 3,000 रुपये का प्रवेश शुल्क वसूला जा रहा है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

कोरोना वायरस के डर के कारण रग्बी मैच हुआ स्थगित

सिडनी- आस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय रग्बी लीग (एनआरएल) में रविवार को सिडनी रूस्टर्स और कैंटरबरी बुलडॉग्स के बीच होने वाला मैच कोरोना वायरस के डर के कारण स्थगित कर दिया गया। बुलडॉग के खिलाड़ी एडेन टोलमैन का बच्चा सिडनी के कारिनबाग में लागुना स्ट्रीट पब्लिक स्कूल में पढ़ता है जहां के स्टाफ के एक सदस्य को कोविड-19 से संक्रमित पाया गया है। टोलमैन के संक्रमित होने के संदेह में मैच स्थगित कर दिया गया लेकिन बाद में इस खिलाड़ी का परीक्षण कराया गया जिसका परिणाम 'नेगेटिव% आया है। यह मैच हालांकि सोमवार तक स्थगित कर दिया गया था। आस्ट्रेलियाई रग्बी लीग आयोग के अध्यक्ष पीटर वी लैंडीज से कहा कि बुलडॉग के खिलाड़ियों में वायरस फैलने की संभावना बेहद कम है लेकिन वे किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहते थे।

पर्दे के धोनी को खेल जगत की श्रद्धंजलि

नई दिल्ली ।

पर्दे के महेंद्र सिंह धोनी यानी बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह की मौत पर पूरा खेल जगत दुखी है और कई दिग्गज खिलाड़ियों ने सुशांत के निधन पर शोक जताया है। सुशांत ने रविवार को बांद्रा स्थित अपने घर में आत्महत्या कर ली। वह महज 34 साल के थे। सुशांत ने भारतीय टीम के महान कप्तानों में गिने जाने वाले महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर बनी फिल्म एम एस धोनी .. द अनटोल्ड स्टोरी में धोनी का किरदरा निभाया था और सभी ने उनके अभिनय की तारीफ की थी। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन ने सुशांत के निधन पर ट्वीट कर शोक व्यक्त करते हुए लिखा, सुशांत सिंह राजपूत के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। वह काफी युवा और बेहतरीन अभिनेता थे। उनके परिवार और दोस्तों के साथ मेरी संवेदनाएं। भगवान उनकी आत्म को शांति दे। सचिन के सलामी जोड़ीदार वीरेंद्र सहवाग ने ट्वीट किया, जिंदगी बहुत नाजुक है। हम नहीं जानते कि कौन किस स्थिति से गुजर रहा है। ओम शांति भारतीय टीम के मौजूदा कप्तान विराट कोहली ने ट्वीट किया, सुशांत सिंह राजपूत की मौत की खबर सुनकर दुखी हूं। इसे पचा पाना मुश्किल है। भगवान उनकी आत्म को शांति दे। भगवान उनके परिवार और दोस्तों को मजबूती दे। भारत के पुरुष कुश्ती खिलाड़ी बजरंह पुनिया ने लिखा, सुशांत सिंह की दुखद खबर। ओम शांति।

धोनी की फिल्म के लिए सुशांत ने क्रिकेटर की तरह ही ट्रेनिंग की थी : मोरे

कोलकाता । भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर किरण मोरे ने उस समय को याद किया है जब महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर बनी रही फिल्म के लिए अभिनेता सुशांत सिंह ने कड़ी मेहनत की थी और बिल्कुल आम खिलाड़ी की तरह की क्रिकेट की बारीकियां सीखी थीं। सुशांत ने रविवार को मुंबई के बांद्रा स्थित अपने घर में आत्महत्या कर ली। धोनी की फिल्म के लिए सुशांत को मोरे ने ही प्रशिक्षित किया था। मोरे ने आईएएनएस से कहा कि सुशांत ने फिल्म के लिए कड़ी मेहनत की थी और कभी भी किसी तरह की शिकायत नहीं की थी। 57 साल के मोरे ने कहा, यह हैरान करने वाली खबर है। वे बहुत जल्दी चले गए। इस खबर ने मुझे हिला दिया। मैं इससे बाहर नहीं आ सकता। वह सिर्फ 34 साल के थे। वह काफी मेहनती, जुनूनी और प्रतिभाशाली थे। मैंने उनके साथ नौ महीने काम किया था, इसलिए मैं जानता हूं कि उन्होंने उस कैरेक्टर के लिए कितनी मेहनत की थी। पूर्व मुख्य चयनकर्ता ने कहा, एक अभिनेता से क्रिकेटर बनाना काफी मुश्किल होता है। इसके बाद धोनी की नकल करना, उम्मीदें काफी ऊंची रहती हैं। कई बायोपिक आईं लेकिन कोई भी धोनी की फिल्म की तरह सफल नहीं रही। उन्होंने कहा, हम सामान्य अभ्यास सत्र आयोजित करते थे।

टी-20 विश्व कप और आईपीएल, दोनों खेलना चाहूंगा : रोहित

मुंबई।

भारत की सीमित ओवरों की टीम के उप-कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को कहा कि वह टी-20 विश्व कप और आईपीएल, दोनों खेलना पसंद करेंगे।रोहित ने इंस्टाग्राम स्टोरी चैट सेशन में कुछ सवालों के जवाब दिए। जो पहला सवाल उनके सामने आया वो था कि वो क्या खेलना पसंद करेंगे, टी-20 विश्व कप या आईपीएल? इस पर रोहित ने कहा, दोनों। टी-20 विश्व कप इसी साल आस्ट्रेलिया में 18 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच होना है, लेकिन कोरोनावायरस के कारण इस पर काले बादल मंडरा रहे हैं। इस विश्व कप के बाद भारत को आस्ट्रेलिया का दौरा करना है जहां उसे चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। पहला टेस्ट गाबा में खेला जाएगा। इसके बाद एडिलेड ओवल, एमसीजी और एससीजी में बाकी के तीन मैच खेले जाएंगे। रोहित ने आस्ट्रेलिया में गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेलने के सवाल पर कहा, यह निश्चित तौर पर चुनौतीपूर्ण होगा। रोहित ने कहा कि वह स्टीव स्मिथ और जेसन रॉय की बल्लेबाजी देखना पसंद करते हैं। रोहित से जब पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को एक शब्द में बयान करने को कहा तो उन्होंने कहा, लीजेंड।

कोरोना महामारी के कारण यूएस ओपन को लेकर संशय की स्थिति में टेनिस खिलाड़ी

न्यूयार्क। कोरोना वायरस की महामारी के कारण अगस्त के आखिर में होने वाले वर्ष के अंतिम ग्रैंड स्लेम टूर्नामेंट यूएस ओपन में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों के भाग लेने पर संशय बना हुआ है। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच के मौजूदा हालात में यूएस ओपन में भाग लेने को लेकर संशय के बीच अन्य टेनिस खिलाड़ियों डोमिनिक थिएम, एलेक्जेंडर ज्वेरेव और ग्रिगोर दिमित्रोव ने भी टूर्नामेंट में शामिल होने पर आपत्ति जताई है। कोरोना वायरस के कारण दुनियाभर में टेनिस गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई हैं लेकिन अगस्त में होने वाले यूएस ओपन की संभावना बनी हुई है। हालांकि खिलाड़ी मौजूदा हालात और आयोजकों द्वारा कुछ प्रतिबंध के कारण इसमें शामिल होने से कतरा रहे हैं। विश्व के नंबर तीन 26 वर्षीय ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी थिएम ने कहा, ''मेरे ख्याल से मौजूदा हालात में चीजें बदल सकती हैं। ग्रैंड स्लेम शारीरिक फिटनेस पर निर्भर करता हैं और आपको फिलहाल कोच और फिजियो में से किसी एक को ले जाने की इजाजत है।''

अंतिम-11 का हिस्सा महसूस करने के लिए कप्तान से गेंदबाजी मांगता था : श्रीनाथ

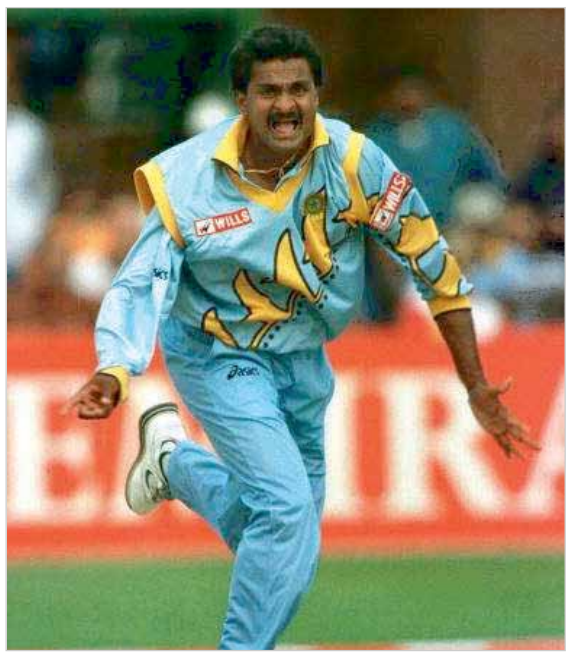

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ ने एक दशक तक भारतीय गेंदबाजी की अगुआई की और उन्होंने यह तब किया जब टीम में स्पिनरों का बोलबाला हुआ करता था और टीम स्पिनरों पर ही निर्भर हुआ करती थी। श्रीनाथ ने कहा कि निर्भरता इतनी हुआ करती थी कि वह कई बार कप्तान से गेंदबाजी मांगते थे। श्रीनाथ ने स्पोर्टर्सकीड़ा से कहा, मैं शिकायत नहीं कर रहा हूं, लेकिन उस समय स्थिति ऐसी ही थी। भारत में ऐसा भी समय था कि हम सिर्फ एक तेज गेंदबाज लेकर खेलते थे वो भी सिर्फ नाम के लिए की टीम में तेज गेंदबाज है। पिचें पूरी तरह से स्पिनरों के लिए होती थीं। श्रीनाथ ने मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी में अक्टूबर और नवंबर में 1991 में क्रमशः वनडे और टेस्ट पदार्पण किया था। उन्होंने कहा, आप टीम के स्थायी सदस्य बनना चाहते हैं और विकेट लेना चाहते हैं। तीन स्पिनर 80-90 प्रतिशत गेंदबाजी करते थे। मैं कई बार अलग सा महसूस करता था कि मेरा यहां क्या रोल है। मैं कप्तान के पास जाकर कहता था कि गेंदबाजी दे दो। कम से कम मुझे इस बात की संतुष्टि करने दो की मैं टीम में हूं। दाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, यह मामला था। भारतीय परिस्थितयां स्पिनरों की मददगार थीं, लेकिन साथ ही यह तेजी वाले मोड में सोचने को मजबूर कर देती थीं। इसलिए रिवर्स स्विंग मदद करती थी, लेकिन मैंने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी। मैं समझता था कि जीत ज्यादा जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

स्पेनिश लीग : बार्सिलोना ने मालोर्का को 4-0 से हराया

मेड्रिड । स्पेनिश लीग में पहले स्थान पर काबिज बार्सिलोना फुटबाल क्लब ने तीन महीने बाद वापसी की और शनिवार रात को खेले गए पहले मैच में रियल मालोर्का को 4-0 से हरा दिया। कोविड-19 के कारण लीग को स्थगित कर दिया गया था और अब लीग की तीन महीने बाद फिर शुरूआत हुई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, बार्सिलोना के कोच ने टीम में दो बदलाव किए और रोनाल्डो अर्जुओ तथा विडाल को अंतिम-11 में चुना। उनका यह प्रयोग सफल रहा क्योंकि विडाल ने दूसरे मिनट में ही गोल दाग बार्सिलोना को आगे कर दिया। बर्सिलोना ने 36वें मिनट में अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। इस बार उसके लिए गोल ब्रैथवेट ने किया। क्लब के लिए यह उनका पहला गोल था जिसमें टीम के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी ने उनकी मदद की थी। पहले हाफ का अंत बार्सिलोना ने 2-0 के स्कोर के साथ किया। दूसरे हाफ में मालोर्का ने अच्छी शुरूआत की लेकिन गोल नहीं कर पाई। वहीं 79वें मिनट में अल्बा ने बार्सिलोना के लिए तीसरा गोल कर दिया। बार्सिलोना के लिए चौथा और आखिरी गोल मेसी ने किया। यह गोल अतिरिक्त समय में आया जिसमें घुटने की सर्जरी करा कर लौटे लुइस सुआरेज ने मेसी की मदद की वहीं इस्पानयोल ने अल्वासे को 2-0 से हरा दिया। विलारियल ने सेल्टा विगो को 1-0 से मात दी।

बत्रा को क्लीनचिट देने के कारण एफआईएच पर बरसे मित्तल

नई दिल्ली । भारतीय ओलिम्पक संघ (आईओए) के उपाध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने संघ अध्यक्ष नरेंद्र बत्रा को क्लीन चिट देने पर अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) पर निशाना साधा है। मित्तल ने एफआईएच सीईओ थिलेरी वेल को पत्र में लिखा है कि उनका पहला पत्र अनुशासन आयुक्त गोर्डन नर्स के लिए था। मित्तल ने इसमें कहा था कि बत्रा आईओए और एफआईएच के अध्यक्ष पद के लिए योग्य नहीं हैं। मित्तल ने इस संबंध में एफआईएच को पत्र भी लिखा था। एफआईच इंटीग्रिटी यूनिट चेयरमैन व्यान स्नेल ने एक बयान जारी कर कहा था कि वह बत्रा के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, लेकिन मित्तल ने कहा है कि स्नेल के बयान की कोई अहमियत नहीं है। मित्तल ने अपने पत्र में लिखा, स्नेल के बयान की कोई अहमियत नहीं है क्योंकि मैंने बत्रा के 2016 में एफआईएच अध्यक्ष बनने पर सवाल नहीं किए थे। मेरी शिकायत 2017 में तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने को लेकर थी जो एफआईएच के नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने लिखा, मैं समझ सकता हूं कि आपको उस शिकायत पर इंटीग्रिटी अफसर के बयान को जारी करने की इतनी जल्दी क्यों थी जिसे अनुशासन समिति के कमिश्नर को भेजा गया था। सिर्फ इसलिए कि स्नेल ने बयान दिया है, इसे यह सही नहीं बना देता। इंटीग्रिटी यूनिट द्वारा जारी किए गए बयान की कोई अहमियत नहीं है। यह आंख में धूल झोंकने का अच्छा प्रयास था। मित्तल ने लिखा, मैं अभी भी कह रहा हूं कि मेरी शिकायत एफआईएच के नियमों के मुताबिक अनुशासन आयुक्त के पास भेजी गई थी और इसकी नियमों के अनुसार निपटारा होना चाहिए।

कोहली के शतकीय मैच विजेता पारी से प्रभावित हुए थे वेंगसरकर

मुंबई ।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता दिलीप वेंगसरकर ने बताया है कि कैसे विराट कोहली ने उन्हें इमरजिंग प्लेयर टूर्नामेंट में शतकीय और मैच विजेता पारी खेलकर प्रभावित किया था। वेंगसरकर ने स्पोर्ट्सकीड़ा के साथ सत्र में फेसबुक लाइव पर कहा, आस्ट्रेलिया में जब इमरजिंग प्लेयर्स टूर्नामेंट हो रहा था, तब मैं चयन समिति का चेयरमैन था। हमने उस समय फैसला किया था कि हम ऐसे खिलाड़ियों को चुनेंगे जो जल्द ही भारत के लिए खेलें, खासकर अंडर-23 टीम में से। इसलिए हमने कोहली को चुना। वेंगसरकर ने बताया कि कैसे कोहली के बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह दिलाई। वेंगसरकर ने कहा कि कोहली ने न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ खेलते हुए इंडिया-ए से ओपनिंग की और नाबाद शतक जमा टीम को जीत दिलाई थी, जिससे वो काफी प्रभावित हुए थे। पूर्व कप्तान ने कहा, पहली पारी में न्यूजीलैंड ने 240-250 रन बनाए थे। कोहली से ओपनिंग करने को कहा गया था। उन्होंने नाबाद 123 (नाबाद 120) रन बनाए। जो बात मुझे प्रभावी लगी वो यह थी कि शतक लगाने के बाद वह टीम को मैच जिता के लाए और नाबाद रहे। इससे मैं काफी प्रभावित हुआ। तब मैंने सोचा कि इस लड़के को हमें भारतीय टीम में लाना चाहिए, क्योंकि वह मानसिक तौर पर काफी परिपक्व हैं। हमने उन्हें चुना और बाकी इतिहास है।

रोहित कई बार मेरे साथ खड़े रहे हैं : लोकेश राहुल

बेंगलुरू। भारतीय टीम के बल्लेबाज लोकेश राहुल ने सीमित ओवरों की टीम के उप-कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ की है और कहा है कि रोहित कई बार उनके साथ खड़े रहे हैं। राहुल ने टीम के लिए अलग-अलग जिम्मेदारी निभाई है। उन्होंने पहले कहा था कि सलामी बल्लेबाजी उनकी ताकत है, लेकिन रोहित और शिखर धवन से वनडे में मिल रही लगातार प्रतिस्पर्धा के चलते उन्होंने अपने आप को फिनिशर के रोल में ढाल लिया। वह एक काबिल विकेटकीपर की भूमिका में भी दिखे हैं। टी-20 में राहुल ने टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है और जब हाल ही में रोहित ने यही बात कही तो राहुल को काफी खुशी मिली। राहुल ने इंडिया टुडे से कहा, रोहित के शब्द(टी-20 में राहुल पहली पसंद हैं, और इसके बाद मेरे और धवन में से फैसला होगा) सुनकर अच्छा लगा। मैं उनकी बल्लेबाजी का बड़ा प्रशंसक रहा हूं। मैं उनके साथ कुछ वर्षों तक खेला हूं, लेकिन वो ऐसे खिलाड़ी हैं जो टीम में, मैं कैसे कहूं, जैसे कुछ क्रिकेटर होते हैं जो सचिन तेंदुलकर की बल्लेबाजी देखकर हैरान हो जाते हैं। वह नहीं जानते की क्या कहें। उन्होंने कहा, जब मैं रोहित के साथ मैदान के बाहर होता हूं तो मुझे विश्वास नहीं होता। राहुल ने साथ ही बताया कि जब वह टीम से अंदर-बाहर हो रहे थे तब रोहित ने कैसे उनकी आत्मविश्वास हासिल करने में मदद की। राहुल ने कहा, लेकिन वो टीम में वो शख्स हैं जिन्होंने मुझे बताया कि उन्हें मुझ पर भरोसा है और एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर मैंने देखा है कि उन्होंने मेरा समर्थन किया है और मेरे साथ खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, जब उनकी तरह का कोई सीनियर खिलाड़ी होता है जो जिम्मेदारी ले सके और वो टीम में मौजूद सीनियर खिलाड़ियों में से एक हो तो यह युवा खिलाड़ियों को आत्मविश्वास देता है।

इस महीने के अंत में पीएसजी छोड़ देंगे कवानी, सिल्वा

पेरिस । स्ट्राइकर एडिसन कवानी और सेंटर बैक तथा कप्तान थियागो सिल्वा इस महीने करार खत्म होने के कारण फ्रांस के फुटबाल क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) का साथ छोड़ देंगे। कवानी क्लब के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। सिल्वा सबसे लंबे समय तक टीम के कप्तान रहे हैं। क्लब के स्पोर्टिंग निदेशक लियोनाडरे ने ला जर्नल डु डिमांचे अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा, हां, हमारा करार खत्म हो रहा है। इस फैसले पर पहुंचाना काफी मुश्किल था। यह खिलाड़ी टीम के इतिहास का हिस्सा हैं। आप इस बात को लेकर सोच में पड़ जाते हैं कि क्या साथ में थोड़ा और आगे बढ़ना चाहिए या एक और साल भी साथ रहना अब मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, हमें सही फैसले लेने हैं, अर्थिक तौर पर भी और आने वाली पीढ़ी को लेकर भी। पीएसजी ने लगातार तीसरी बार फ्रेंच लीग-1 का खिताब जीता है। वह स्ट्राइकर माउरो इकार्डी को क्लब में स्थायी रूप से लेकर आई है। कवानी 2013 में इटली के क्लब नापोली से पीएसजी में आए थे, वहीं सिल्वा 2012 में इटली के क्लब एसी मिलान से टीम में आए थे।

सडनी टेस्ट के बाद आस्ट्रेलियाई मीडिया ने हर जगह मेरा पीछा किया : हरभजन

नई दिल्ली ।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच 2008 में सिडनी में खेला गया टेस्ट मैच कई कारणों से विवादों में रहा था। मैदान पर जहां अंपायरिंग की गलतियां, खिलाड़ियों में नोकझोंक देखने को मिली थी, लेकिन सबसे बड़ा विवाद मंकीगेट था जिसमें भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह और आस्ट्रेलिया के एंड्रयू साइमंड्स शामिल थे। उस मैच को याद करते हुए हरभजन ने कहा कि तत्कालीन आस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग खुद अंपायर की तरह व्यवहार कर रहे थे। हरभजन ने भारतीय टेस्ट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा के यूट्यूब शो आकाशवाणी पर कहा, जब मैं 2008 सिडनी टेस्ट मैच की बात करता हूं तो मुझे लगता है कि पोंटिंग खुद ही अंपायर बन गए थे। वह कैच पकड़ने का दावा कर रहे थे और खुद ही फैसले सुना दे रहे थे। हरभजन ने कहा, आस्ट्रेलियाई कहते हैं कि जो मैदान पर हुआ उसे मैदान पर ही छोड़ देना चाहिए, लेकिन जो विवाद मेरे और साइमंड्स के बीच हुआ, वो मैदान के बाहर चला गया। आस्ट्रेलिया ने इस मैच में भारत को करीबी मुकाबले में आखिरी दिन 122 रनों से हरा दिया। इस मैच में पांच शतक बने थे। साइमंड्स ने ही इस मैच में नाबाद 162 रन बनाए थे। हरभजन ने कहा, मैं और साइमंड्स एक दूसरे के काफी पास थे और हमारे पास सचिन तेंदुलकर थे।

जब सुनवाई शुरू हुई तो मैथ्यू हेडन, एडम गिलक्रिस्ट, माइकल क्लार्क और रिकी पोंटिंग,, चारों ने कहा कि हमने भज्जी को साइमंड्स से कुछ कहते सुना है। उन्होंने कहा, मैं सोच रहा था कि तुम लोग तो पास में ही नहीं थे, जहां तक कि सचिन भी नहीं जानते थे कि क्या हुआ है। सिर्फ मैं और साइमंड्स जानते थे कि क्या हुआ है। ऑफ स्पिनर ने कहा, मैं विवादों में फंस गया। सुनवाई हुई और मैं काफी डरा हुआ था कि मेरे साथ क्या हो रहा है। आस्ट्रेलियाई मीडिया ने मुझे माइकल जैक्सन बना दिया था। मेरा पीछा लगातार कैमरे कर रहे थे।

चाहता हूं कि अफरीदी जल्द स्वास्थ हो जाएं : गंभीर

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहीद अफरीदी के जल्द स्वास्थ होने की कामना की है। अफरीदी ने ट्विटर के माध्यम से बताया था कि उनका कोरोनावायरस का टेस्ट पॉजिटिव आया है। गंभीर ने आजतक से कहा, कोई भी इस वायरस की चपेट में नहीं आए। मेरे अफरीदी के साथ राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन मैं चाहता हूं कि वह जल्दी से स्वास्थ हो जाएं। उन्होंने कहा, सिर्फ अफरीदी ही नहीं मैं चाहता हूं कि मेरे देश में जो भी इस वायरस से संक्रमित हुआ है वह जल्दी से जल्दी स्वास्थ हो जाए। अफरीदी ने ट्विटर पर एक भावुक संदेश लिखते हुए इस बात की जानकारी दी थी। अफरीदी ने कहा था कि गुरुवार से ही वह अच्छा महसूस नहीं कर रहे थे और इसके बाद उन्होंने टेस्ट कराया, उनकी रिपोर्ट पॉजिटीव आई। उन्होंने अपने प्रशंसकों से दुआ करने को कहा है। अफरीदी ने ट्वीट किया, मैं गुरुवार से अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। मेरे शरीर में काफी दर्द हो रहा था। मैंने अपना टेस्ट कराया और दुर्भाग्यवश मेरा टेस्ट पॉजिटिव आया। जल्दी ठीक होने के लिए दुआओं की जरूरत। इंशाअल्लाह।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिंदुओं के गौरव की पहचान

स्वामीनारायण मंदिर

भारत ही नहीं पूरी दुनिया के अलग–अलग देशों में ऐसे हिन्दू देवस्थान हैं, जो सनातन संस्कृति से पूरी दुनिया के लोगों को जोड़ते हैं। यह मंदिर मात्र धर्म और आस्था के ही स्थान नहीं है, बल्कि अपनी अद्भुत और अनूठी वास्तुकला के लिए भी पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। इन मंदिरों में से एक है कनाडा देश के टोरंटो शहर में स्थित स्वामीनारायण संप्रदाय का स्वामीनारायण मंदिर।

यह मंदिर कनाडा में फिंच ऐवेन्यू के पास हाईवे नंबर 427 पर स्थित है। इस मंदिर की मुख्य विशेषता है कि इसके निर्माण में इस्पात या लोहे का उपयोग नहीं किया गया है। साथ ही इस मंदिर का अधिकांश भाग अलग-अलग प्रकार के पत्थरों से बना है। जिन पर भारत में ही हस्तशिल्प कार्य किया गया। यह मंदिर मात्र 18 माह की छोटी सी अवधि में बनकर तैयार हुआ। इसका निर्माण स्थानीय हिन्दु धर्मावलंबियों द्वारा किया गया। इसके निर्माण में लगभग 40 मिलीयन डॉलर खर्च हुए।

इस मंदिर के निर्माण से जुड़ी अनेक रोचक बाते हैं।

- इस मंदिर के निर्माण में उपयोग किया गया लाईम स्टोन और संगमरमर क्रमशः टर्की और इटली से भारत लाया गया। बाद में इस पर हस्तशिल्प कर फिर से कनाडा ले जाया गया।
- इन पत्थरों पर भारत के 26 स्थानों पर लगभग 1800 हस्तशिल्पियों ने कार्य किया।
- यह मंदिर 18 एकड़ क्षेत्र में फैला है।
- मंदिर के 132 तोरण, 340 खंबो और छत के 84 भागों के लिए 24 हजार नक्काशीदार संगमरमर और लाईमस्टोन पत्थर के टुकड़े उपयोग किए गए।
- इस मंदिर का निर्माण 100 भारतीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों ने इन पत्थरों को जोड़कर किया।
- पत्थरों में की गई नक्काशी में भारतीय धर्म ग्रंथों और पुराणों से जुड़े देवी-देवता और चिन्ह दिखाई देते हैं। सनातन संस्कृति के अनुसार मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए मंदिर में अनेक नियम और व्यवस्थाएं हैं।
- मंदिर में भगवान के दर्शन सुबह 9 से 12 बजे के बीच और शाम को 4 से 6 बजे तक होते हैं।
- मंदिर का अध्यात्मिक वातावरण बनाए रखने के लिए शांत रहने का नियम बनाया गया है। साथ ही सुंदर नक्काशी को नुकसान न पहुंचे इसलिए दीवारों का छूना निषेध है। - मंदिर में वस्त्रों की भी मर्यादा नियत की गई है। शार्ट या घुटने से ऊपर तक ऊंचाई वाले कपड़े की अनुमति न होकर उसके स्थान पर धोती या लुंगी दी जाती है।
- जूते-चप्पल, धूम्रपान, मोबाईल आदि मंदिर में लाने और मंदिर के अंदर खान-पान पर पाबंदी है।
- यह मंदिर कनाडा में भारतीय वैदिक संस्कृति का पहला मंदिर माना जाता है।

गुणों की खान तिरूपति बालाजी

हिन्दु धर्मग्रंथों में भगवान के छः गुण बताए गए हैं - ऐश्वर्य, धन, यश, श्री, वैराग्य और मोक्ष। तिरुपति बालाजी मंदिर और यहां प्रतिष्ठित भगवान वेंकटचलापती की प्रतिमा में भगवान के ऐसे ही दिव्य गुणों और भव्य स्वरुप के साक्षात् दर्शन होते हैं।

तिरुपति बालाजी मंदिर में भगवान विष्णु की पूजा वेंकटचलापति के रुप में होती है। यहां भगवान विष्णु की कमल पाद पर खड़ी लगभग 10 फिट ऊंची प्रतिमा है। यहां भगवान अपने पूर्ण स्वरुप में विराजित हैं। यहां भगवान विष्णु लक्ष्मीपति का साक्षात् स्वरुप हैं। भगवान विष्णु अनेक प्रकार के स्वर्ण आभूषणों, हीरे मोतियों की मालाओं से श्रृगांरित होते हैं। इसलिए भगवान विष्णु के साथ ही प्रतिमा में दिखाई देने वाला वैभव देवी लक्ष्मी की दर्शन की अनुभूति भी देता है।

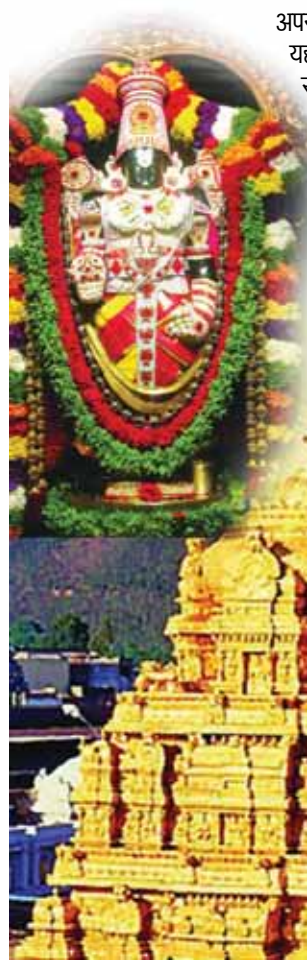

भगवान को पहनाए जाने वाले आभुषणों में लक्ष्मी माला शामिल होती है। जिसमें देवी लक्ष्मी की 108 छबियां होती है। इसी के साथ सोने में जड़ा गया सालगराम हार भी भगवान को पहनाया जाता है। भगवान की कटि या कमर पर उकेरा गया सुंदर दशावतार पट्टा भी दिखाई देता है। इस पट्टे पर लटकी हुई सोने से बनी सूर्यकटारी भी है। भगवान के वक्षस्थल पर सोने की नक्काशी से बनी लक्ष्मी और पद्मावती के दर्शन भी होते हैं। गर्भगृह में भगवान वेंकटचलपती की ही मूर्ति है। भारत में यही एक ऐसा विष्णु मंदिर है, जिसके गर्भगृह में भगवान विष्णु की एक मूर्ति है। मलयाप्पन स्वामी को उत्सव मूर्ति के नाम से पूजा जाता है। यह भगवान की मूल प्रतिमा की प्रतिकृति है। इस प्रतिमा के आसपास श्रीदेवी और भूदेवी की प्रतिमा हैं। मंदिर के मण्डप में उग्र निवास, कोलूवू निवास की प्रतिमाएं भी प्रतिष्ठित हैं। इनके अलावा भगवान श्रीकृष्ण, श्रीराम, सीता और लक्ष्मण की मूर्तियां भी मंदिर में विराजित है। गर्भगृह में बनी सुदर्शन चक्र की आकृति भी देखी जा सकती है। तिरुपति बालाजी मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर की नियमित पूजा होती है। पहली पूजा प्रातः तीन बजे होती है, जो सुप्रभातम कहलाती है। इसका अर्थ होता है भगवान को शयन से जगाना। आखिर में एकांत सेवा नाम की पूजा होती है जिसका अर्थ है भगवान को शयन कराना। इस आरती का समापन रात्रि एक बजे होता है। भगवान के नियमित अंतराल से सेवा-उत्सव मनाए जाते हैं। भगवान की प्रार्थना-स्तुति हर दिन, सात दिन और पन्द्रह दिनों के अंतर से की जाती है।

हिंदू धर्म में 33 करोड़ देवी देवता कैसे?

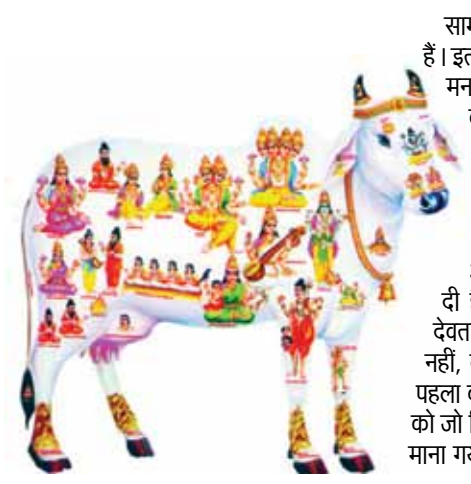

सामान्यतः कहा जाता है कि हिंदुओं के 33 करोड़ देवी-देवता हैं। इतने देवी-देवता कैसे? यह प्रश्न कई बार अधिकांश लोगों के मन में उठता है। शास्त्रों के अनुसार देवताओं की संख्या 33 कोटि बताई गई हैं। इन्हीं 33 कोटियों की गणना 33 करोड़ देवी-देवताओं के रूप में की जाती है। इन 33 कोटियों में आठ वसु, ग्यारह रुद्र, बारह आदित्य, इंद्र और प्रजापति शामिल है। इन्हीं देवताओं को 33 करोड़ देवी-देवता माना गया है। कुछ विद्वानों ने अंतिम दो देवताओं में इंद्र और प्रजापति के स्थान पर दो अश्विनीकुमारों को भी मान्यता दी है। श्रीमद् भागवत में भी अश्विनीकुमारों को ही अंतिम दो देवता माना गया है। इस तरह हिंदू देवी-देवताओं में तैंतीस करोड़ नहीं, केवल तैंतीस ही प्रमुख देवता हैं। कोटि शब्द के दो अर्थ हैं, पहला करोड़ और दूसरा प्रकार या तरह के। इस तरह तैंतीस कोटि को जो कि मूलत तैंतीस तरह के देव-देवता हैं, उन्हें ही तैंतीस करोड़ माना गया है।

भूत-पिशाच मार भगावे श्री मेंहदीपुर बालाजी

श्री मेंहदीपुर बालाजी मंदिर राजस्थान के दौसा जिले में स्थित है। मूलतः यह मंदिर पवनपुत्र हनुमान का मंदिर ही है। यहां श्री प्रेतराज सरकार, प्रेतराजा या आत्माओं के राजा के नाम से जाने जाते हैं। लोकमान्यता है कि पूर्व काल में श्री बालाजी राजस्थान की अरावली पहाड़ियों में बुरी आत्माओं के नाश हेतु प्रकट हुए। यह स्थान बुरी आत्माओं, काला जादू आदि से पीड़ित लोगों की कष्टों से छुटकारा दिलाने के लिए प्रसिद्ध है। पीड़ित लोग यहां आकर श्री प्रेतराज सरकार यानि मेंहदीपुर के बालाजी और श्री भैरवनाथ के दर्शन कर अपनी पीड़ा से मुक्ति के लिए प्रार्थना और पूजा करते हैं। भक्तों और श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास है कि श्री बालाजी दण्डाधिकारी के रुप में बुरी आत्माओं, भूत, चुडैल को दण्ड देकर भयंकर मानसिक और शारीरिक कष्ट भोग रहे व्यक्ति को पीड़ामुक्त कर देते हैं। मेंहदीपुर बालाजी का मंदिर श्री हनुमान की अदालत माना जाता है। इस मंदिर के साथ ही यहां पूजा गृह, भैरव मंदिर और राम दरबार मंदिर के दर्शन का भी महत्व है। जहां दुःखों से छुटकारा पाने के लिए जनसैलाब उमड़ता है।

यहां श्री मेंहदीपुर बालाजी के प्रति श्रद्धा और विश्वास के कारण अनेक धार्मिक कर्म और गतिविधियां चलती रहती है। यहां दान के साथ गरीब, अनाथ, बेसहारों, कमजोर और असक्षम लोगों के लिए भोजन कराया जाता है। गायों के लिए चारा और अन्य भूखे-प्यासे पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी उपलब्ध कराया जाता है।

राजस्थान में मेंहदीपुर बालाजी का मंदिर श्री हनुमान का बहुत जाग्रत स्थान माना जाता है। लोगों का विश्वास है कि इस मंदिर में विराजित श्री बालाजी अपनी देवीय शक्ति से बुरी आत्माओं से छुटकारा दिलाते हैं। इसमें मंदिर में हजारों भूत-पिशाच से त्रस्त लोग प्रतिदिन दर्शन और प्रार्थना के लिए यहां आते हैं, जिन्हें स्थानीय लोग संकटवाला कहते हैं। भूतबाधा से पीड़ित के लिए यह मंदिर अपने ही घर के समान हो जाता है और श्री बालाजी ही उसकी अंतिम उम्मीद होते हैं। यहां श्री बालाजी के सेवा और पूजा करने वाले मंहत सभी पीड़ितों को भूत बाधा से मुक्त करने के लिए सारी श्री बालाजी के सामने सभी उपचार करते हैं। इसके लिए वह पवित्रता का पूरा ध्यान रखते हैं। वह सादा और शाकाहार करते हैं। कभी भी इस कार्य को लोक कल्याण की भावना के साथ करते हैं।

यहां पीड़ाओं से मुक्त होने के लिए आस्था और विश्वास की ताकत को देखा जा सकता है। यहां पर प्रेतबाधाओं से लोगों को मुक्त करने के लिए अनेक असाधारण और असामान्य, कष्टप्रद भौतिक चिकित्सा के उपाय देखें जा सकते हैं। किंतु उनका उद्देश्य मात्र व्यक्ति के दुःख और कष्टों से मुक्ति होती है। इनमें कुछ उपायों में प्रेत बाधा से भयंकर पीड़ित व्यक्ति के शरीर पर हाथ, पैर और छाती पर भारी पत्थर रखे जाते हैं। बहुत ज्यादा पीड़ित और हिंसक व्यक्ति को मंदिर परिसर में ही जंजीरों से भी बांधा जाता है।

यह सारे तरीके पहली नजर में विभत्स और असहनीय दिखाई देते हैं। किंतु प्रेतबाधा से मुक्त होने के लिए हजारों श्रद्धालुओं की इस तरह के तरीकों और उपचारों पर विश्वास और श्रद्धा है। श्रद्धा को ही देव शक्ति से कोई भी फल पाने की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है। हालांकि चिकित्सा विज्ञान भूत प्रेत से ग्रसित व्यक्ति को रोगी मानता है। इसलिए श्री मेंहदीपुर बालाजी में भूतप्रेत से मुक्त करने के लिए अपनाए गए शारीरिक कष्ट देने वाले उपायों को अंध विश्वास मानता है। किंतु श्री मेंहदीपुर बालाजी और इस स्थान पर विश्वास और अगाध श्रद्धा रखने वालों की असंख्य है और उनके अनुभव के अनुसार श्री मेंहदीपुर बालाजी की शक्ति अद्भूत, अलौकिक है और भौतिक संसार से परे है।

अन्य दर्शनीय स्थान –

श्री मेंहदीपुर बालाजी में अन्य दर्शनीय देवस्थान भी हैं। जिनमें नीलकंठ महादेव मंदिर, माताजी का मंदिर, के लादेवी का मंदिर और प्रताप वाटिका प्रमुख है। पहुंच के संसाधन -

श्री मेंहदीपुर बालाजी दर्शन हेतु पहुंचने के लिए वायुमार्ग, रेलमार्ग और सड़क परिवहन की सुविधा उपलब्ध है।

वायुमार्ग - श्री मेंहदीपुर बालाजी पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी हवाई अड्डा सांगानेर, जयपुर में है। जिसकी यहां से दूरी लगभग 113 किलोमीटर है।

रेल मार्ग - श्री बालाजी के दर्शन हेतु आने के लिए निकटतम रेल्वे स्टेशन बांदीकुई है। जिसकी यहां से दूरी 40 किलोमीटर है।

सड़क मार्ग - मेहंदीपुर बालाजी का मंदिर उत्तर भारत के सभी मुख्य शहरों से सड़क मार्ग द्वारा जुड़ा है। आगरा और जयपुर राजमार्ग पर तेज गति की बस सेवा उपलब्ध है। निजी वाहन द्वारा भी दिल्ली से अलवर-महवा या मथुरा-भरतपुर-महवा सड़क मार्ग से होते हुए श्री मेहंदीपुर बालाजी पहुंचा जा सकता है।

ऐसा आचरण करें –

- मंदिर में अन्य भूत-प्रेत पीड़ित लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करें।
- मंदिर में स्नान कर, स्वच्छ कपड़े पहनकर, पंक्ति में लगकर ही प्रवेश करें।
- बच्चों को ऐसे सुरक्षित स्थान पर रखें, जहां शौच आदि की व्यवस्था हो, ताकि मंदिर की स्वच्छता भी बनी रहे और बच्चे भयभीत न हो।
- मंदिर में झूठ बोलना या कोलाहल करने की अनुमति नहीं है।
- मंदिर के केन्द्रस्थान में भगवान को चढ़ाने के लिए प्रसाद पुजारी को ही दें।
- भूत प्रेत से बाधित व्यक्ति और महिलाओं द्वारा दर्शन हेतु मंदिर में आने पर किसी को साथ होना आवश्यक है।
- मंदिर में आपत्तिजनक स्थिति में आना और धूम्रपान करना प्रतिबंधित है।
- भूतप्रेत बाधा से मुक्ति श्री बालाजी की कृपा और आशीर्वाद से हो सकती है। इसके लिए मंदिर ट्रस्ट के जिम्मेदार प्रतिनिधि से संपर्क करें न ही किसी साधु,संन्यासी या फकीर के झांसे में आए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भारत-पाक युद्ध में कमान संभालने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सी एन सोमन्ना का निधन

नयी दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सी एन सोमन्ना का शनिवार को कर्नाटक के कुर्ग में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। लेफ्टिनेंट जनरल सी एन सोमन्ना उम्र से संबंधित बीमारियों से काभी समय से परेशान थे उन्होंने अपने आवास विराजपथ पर अंतिम सांस ली। लेफ्टिनेंट जनरल

सीएन सोमन्ना ने 1984-85 के दौरान सेना के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया था, जब देश ने अमृतसर, पंजाब में स्वर्ण मंदिर में आतंकवादियों को शरण देने के लिए ऑपरेशन ब्लू स्टार का हिस्सा बनें थे।रक्षा मंत्रालय पीआरओ, बेंगलूरु ने ट्वीट कर बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल सोमन्ना ने शनिवार शाम 4.10 बजे आखिरी सांस ली। उनका अंतिम संस्कार रविवार दोपहर एक बजे कुर्ग में किया जाएगा। लेफ्टिनेंट जनरल सोमन्ना का अंतिम संस्कार रविवार को कुर्ग में ही किया गया। सोमन्ना, जो जिले के सबसे पुराने जीवित दिग्गजों में से एक थे, अपनी वीरता के लिए जाने जाते थे। जब सेना ने अगस्त 2016 में जिले में मेगा दिग्गजों की रैली का आयोजन किया था, तो इस रैली में सोमन्ना भी शामिल होने वाले थे लेकिन खराब सेहत के कारण वह शामिल न हो सके। इस रैली में तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल दलबीर सिंह सुहाग ने भी भाग लिया था। जब सिंह को पता चला कि सोमन्ना अपने बीमार स्वास्थ्य के कारण इसे बनाने में सक्षम नहीं है, तो सिंह ने सेना के उप-प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बिपिन रावत (सेना के वर्तमान प्रमुख) के साथ, सोमन्न के लिए 40 किमी का रास्ता छोड़ दिया था। आपको बता दें कि लेफ्टिनेंट जनरल सोमन्ना ने फील्ड मार्शल के एम करियप्पा के साथ इंफेंट्री की तीन बटालियन को ब्रिगेड ऑफ गार्ड में तब्दील किया था। वह दो गॉर्ड्स (एक पंजाब) में एडजुटेंट भी बने। सेना में कैप्टन रहते हुए वह इंडियन मिलिट्री अकादमी के प्रशिक्षक भी बने। उन्होंने उदयपुर में चार गॉर्ड्स की कमान संभाली। सन् 1971 के भारत-पाक युद्ध में लेफ्टिनेंट जनरल सोमन्ना ने ब्रिगेडियर रहते हुए डीडीएमओ की जिम्मेदारी संभाली। वह लेह में तीन दिन कमांडर थे, जहां उन्होंने आइस हॉकी की शुरुआत की।

पाकिस्तान नियंत्रण रेखा का उल्लंघन करने से नहीं आ रहा बाज, गोलीबारी में एक जवान शहीद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तानी सैनिकों की गोलीबारी में सेना का एक जवान शहीद हो गया और दो अन्य जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुंछ और राजौरी जिलों में इस महीने अग्रिम चौकियों और गांवों पर पाकिस्तानी गोलीबारी में हुई यह तीसरी मौत है। अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार से पाकिस्तान ने शनिवार रात शाहपुर-केरनी सेक्टर में गोलीबारी और गोलाबारी की, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की गोलीबारी में तीन भारतीय जवान घायल हो गए और उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां एक जवान ने दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि जवाबी कार्रवाई में कोई पाकिस्तानी सैनिक हताहत हुआ है या नहीं। इससे पहले, राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर में चार जून को पाकिस्तान की गोलीबारी में हवलदार पी माथियाझगन शहीद हो गए थे। इसके बाद राजौरी जिले में 10 जून को इसी प्रकार की घटना में नाइक गुरचरण सिंह शहीद हो गए थे।

चक्रवात निसर्ग के बाद की स्थिति को लेकर फडणवीस ने उद्धव ठाकरे से की मुलाकात, जानें क्या कुछ कहा

मुंबई। भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात कर उन्हें चक्रवात 'निसर्ग' के बाद की जमीनी स्थिति के बारे में जानकारी दी। चक्रवात प्रभावित रायगढ़ और रत्नागिरी जिलों का हाल में दौरा करने वाले फडणवीस ने संवाददाताओं को बताया कि वहां लोगों तक कोई मदद नहीं पहुंची है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 卐बिजली की आपूर्ति (गांवों में) अब तक बहाल नहीं हुई है और प्रभावित लोगों को पीने का पानी भी उपलब्ध नहीं है।卐 उन्होंने राज्य सरकार से मछली पकड़ने वाली नौकाओं की मरम्मत के लिये भी मदद मुहैया कराने की मांग की। विपक्ष के नेता ने कहा कि मछुआरों का कर्ज माफ होना चाहिए क्योंकि वे कोरोना वायरस और चक्रवात के कारण दोहरी मार झेल रहे हैं। रायगढ़ जिले के श्रीवर्धन में तीन जून को दस्तक देने वाले चक्रवात की वजह से रायगढ़ और रत्नागिरी जिलों में काफी नुकसान हुआ था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट ने भी रायगढ़ जिले के अलीबाग का दौरा कर चक्रवात से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को बिना किसी देरी के प्रभावित लोगों में राहत सामग्री वितरित करने का निर्देश दिया।

देश में संक्रमितों की संख्या 3 लाख 20 हजार के पार, एक दिन में 311 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के एक दिन में सर्वाधिक 11,929 नए मामले सामने आए, इसके साथ ही संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,20,922 हो गई है। संक्रमण से 311 और लोगों की मौत के साथ मृतक संख्या 9,195 पर पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय के सुबह अद्यतन किए गए आंकडों के मुताबिक देश में 1,49,348 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण है वहीं 1,62,378 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और एक मरीज विदेश चला गया है।

अरविंद केजरीवाल का दावा, दिल्ली में कोरोना वायरस मरीजों के लिए 5,000 और बिस्तर उपलब्ध

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि छोटे एवं मध्यम मल्टी-स्पेशिएलिटी नर्सिंग होम को 'कोविड-19 नर्सिंग होम' घोषित किए जाने के बाद राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस के मरीजों के लिए 5,000 और बिस्तर उपलब्ध हो गए हैं। दिल्ली सरकार ने कोरोना वायरस मरीजों के लिए बिस्तरों की क्षमता बढ़ाने के मकसद से 10 से 49 बिस्तरों की क्षमता वाले सभी छोटे एवं मध्यम मल्टी स्पेशिएलिटी नर्सिंग होम को कोविड-19 नर्सिंग होम घोषित किया है। सरकार द्वारा शनिवार को जारी आदेश के मुताबिक, विशेष रूप से आंख, नाक, कान एवं गले (ईएनटी) का इलाज करने वाले केंद्रों, डायलिसिस केंद्रों, प्रसूति गृहों और आईवीएफ केंद्रों को ही इससे फिलहाल छूट दी गई है।

केजरीवाल ने हिंदी में ट्वीट किया, '' दिल्ली सरकार के इस निर्णय से 5,000 से अधिक बिस्तर कोरोना वायरस के मरीजों के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। अगले कुछ दिनों में हमारे अधिकारी हर नर्सिंग होम के मालिक से बात करके उनकी समस्याओं को भी दूर करेंगे।'' 'दिल्ली कोरोना ऐप' के अनुसार कोरोना वायरस मरीजों के लिए 9,802 बिस्तर उपलब्ध हैं और रविवार पूर्वाह्न 11 बजे तक 5,367 बिस्तर घिर चुके थे।

शनिवार को जारी आदेश में कहा गया, छोटे और मध्यम मल्टी स्पेशिएलिटी नर्सिंग होम (10 से 49 बिस्तर वाले) में कोविड और गैर-कोविड मरीजों के एक-दूसरे के परस्पर सपर्क में आने से बचने के लिए और कोविड-19 के मरीजों के लिए बिस्तरों की संख्या बढ़ाने के तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ऐसे सभी नर्सिंग होम को कोविड-19 नर्सिंग होम घोषित किया गया है, जिनकी बिस्तर क्षमता 10 से 49 है।

आदेश के मुताबिक, ऐसे सभी नर्सिंग होम को आदेश जारी होने के बाद तीन दिन के अंदर अपने कोविड-19 बिस्तरों को तैयार करना होगा और ऐसा करने में विफल रहने वालों को दिल्ली नर्सिंग होम पंजीकरण (संशोधन) नियम, 2011 के नियम 14 में संलग्न अनुसूची की उपधारा 14.1 के उल्लंघन का दोषी माना जाएगा। इससे पहले सरकार ने 24 मई को 50 या इससे अधिक बिस्तरों वाले 117 नर्सिंग होम/निजी अस्पतालों को निर्देश दिया था कि वे अपने कुल बिस्तरों में से 20 प्रतिशत बिस्तर कोविड-19 मरीजों के लिए आरक्षित रखें। यह अनुमान है कि 30 जून तक कोविड-19 मरीजों के लिए 15,000 से अधिक बिस्तरों की आवश्यकता होगी और जुलाई के पहले पखवाड़े के अंत में 33,000 बिस्तरों की आवश्यकता होगी।

अमित शाह से मीटिंग के बाद केजरीवाल ने कहा- केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कोरोना वायरस का मुकाबला करेंगी

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस का मिलकर मुकाबला करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में कोरोना वायरस की स्थिति पर चर्चा के लिए केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी जो ''बहुत उपयोगी'' रही। केजरीवाल ने बैठक के बाद ट्वीट किया, ''दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार की बैठक अत्यंत उपयोगी रही। कई अहम फैसले लिए गए। हम कोरोना वायरस से मिलकर लड़ेंगे।'' इस बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन और उपराज्यपाल अनिल बैजल भी शामिल हुए। दिल्ली में संक्रमण के मामले बढ़कर करीब 39,000 हो गए हैं जिनमें से 1,200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

दिल्ली को कोरोना ने बचाने के लिए अमित शाह की तरकीब, कहा- हॉटस्पॉट्स में घर-घर जाकर सर्वेक्षण होगा

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में कोरोना वायरस के मामले बढ़ने को लेकर एक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद रविवार को कहा कि शहर में अगले दो दिनों में कोविड-19 की जांच की संख्या दोगुनी की जाएगी और इसके बाद इसे तीन गुना किया जाएगा। शाह ने नॉर्थ ब्लॉक में अपने कार्यालय में उपराज्यपाल अनिल बैजल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ बैठक के बाद कुछ कदमों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगले दो दिनों में दिल्ली में कोरोना वायरस जांच की संख्या दोगुनी की जाएगी और छह दिनों बाद इसे तीन गुना तक बढ़ाया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि कुछ दिनों में दिल्ली के निषेध क्षेत्रों में हर मतदान केंद्र पर कोविड-19 की जांच शुरू की जाएगी और संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने के लिए अधिक प्रभावित क्षेत्रों यानी हॉटस्पॉट्स में घर-घर जाकर व्यापक स्वास्थ्य सर्वेक्षण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के मरीजों के लिए बिस्तरों की कमी के मद्देनजर केंद्र दिल्ली को 500 रेलवे बोगियां भी उपलब्ध कराएगा। दिल्ली में अभी तक कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 39,000 के करीब पहुंच गई है और 1,200 से अधिक लोग जान गंवा चुके हैं।

अहमद पटेल ने पीएम मोदी पर कसा तंज, कहा- चीन के कई दौरे के बावजूद सीमा पर ये हालात हैं

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल ने लद्दाख में चीन के साथ चल रहे गतिरोध की पृष्ठभूमि में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन की यात्राओं पर तंज करते हुए कहा कि इसके बावजूद हमे सीमा पर इस तरह के हालात देखने को मिल रहे हैं। पटेल ने ट्वीट किया, ''जब चीन ने हमारे क्षेत्र पर फिर कब्जा कर लिया है तो चीन की आधिकारिक यात्राओं की सूची का जिक्र करना जरूरी है। 1947 के बाद मोदी जी इकलौते ऐसे नेता हैं जो नौ बार चीन गए। पांच बार प्रधानमंत्री के तौर पर गए और चार बार गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर गए। मनमोहन सिंह ने दो बार, नेहरू जी, राजीव जी, नरसिंह राव जी और वाजपेयी जी ने एक-एक बार चीन का दौरा किया।'' उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कई बार के दौरे के बावजूद आज हम इस हालात में हैं। पटेल ने कहा, ''सिक्किम सीमा पर 1967 में कांग्रेस सरकार के तहत चीन के खिलाफ हमारी एक बहुत ही निर्णायक जीत हुई है। भारत ने दुश्मन को बहुत क्षति पहुंचाई और उन्हें पीछे खदेड़ दिया और सिक्किम के लोगों का विश्वास जीता। यह 1962 का करारा जवाब था।'' उन्होंने सवाल किया, ''भारत-चीन संबंधों के लिए सरकार ने कहा था कि वह इसे बहुत आगे लेकर जाएगी। क्या इसका मतलब हमारी सीमा पर जो रहा है उससे था या फिर कूटनीतिक संबंधों से था?'' गौरतलब है कि भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग सो, गलवान घाटी, डेमचोक और दौलत बेग ओल्डी में पांच सप्ताह से अधिक समय से गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। चीनी सेना के जवान बड़ी संख्या में पैंगोंग सो समेत अनेक क्षेत्रों में भारतीय क्षेत्र की तरफ घुस आए थे।

लद्दाख सीमा विवाद पर राजनाथ सिंह ने चीन को चेताया, कहा- भारत अब कमजोर देश नहीं रहा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

लद्दाख सीमा पर चीन के साथ गतिरोध के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत अपने ''राष्ट्रीय गौरव'' के साथ कभी समझौता नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत अब ''कमजोर'' देश नहीं रहा है और उसकी सुरक्षा क्षमता बढ़ गई है। जम्मू कश्मीर के लिए एक वर्चुअल रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने विपक्ष को भी आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार सीमा पर किसी भी घटनाक्रम के बारे में संसद या किसी को भी अंधेरे में नहीं रखेगी और उचित समय आने पर जानकारियां साझा करेगी।

सिंह ने कहा, ''मैं यह आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम किसी भी परिस्थिति में राष्ट्रीय गौरव से समझौता नहीं करेंगे। भारत अब कमजोर देश नहीं रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा की हमारी ताकत बढ़ी है लेकिन इस ताकत का मतलब किसी को डराना नहीं है बल्कि अपने देश की सुरक्षा करना है।'' भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि चीन ने बातचीत के जरिए भारत के साथ विवाद को हल करने की इच्छा जताई है और भारत सरकार की भी ऐसी ही राय है।

उन्होंने कहा, ''हमारी भी सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर बातचीत के जरिए भारत और चीन के बीच तनातनी को खत्म करने की कोशिश है।'' उन्होंने कहा कि दोनों देश सैन्य स्तर पर संवाद कर रहे हैं। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर को पूर्व में विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को रद्द करने से केंद्र शासित प्रदेश में चौतरफा विकास हुआ है। सिंह ने कहा कि सरकार आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में इतना विकास करेगी कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोग भी भारत का हिस्सा बनने की मांग करेंगे। इससे पीओके को भारत का अभिन्न हिस्सा बताने वाला हमारा संसदीय संकल्प भी पूरा हो जाएगा।

बिहार पर कोरोना के बीच बाढ़ का खतरा, सीएम नीतीश कुमार ने कहा- चुनौती से निपटने के लिए भी तैयार रहें

पटना। बिहार में कुछ ही दिनों में मानसून पहुंचने की खबर के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों से कहा कि वे बाढ़ की चुनौती से निपटने के लिए भी तैयार रहें और इस बीच कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए किए जा रहे उपायों पर भी ध्यान दें।

नीतीश ने अधिकारियों ने कहा कि वे बाढ़ के कारण विस्थापित होने वाले लोगों के लिए ऐसी व्यवस्था करें कि उन्हें ऐसे शिविरों में भेजा जा सके जहां भौतिक दूरी के नियमों के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा, ''मैं कामना करता हूं कि इस वर्ष उत्तर बिहार में बाढ़ न आए लेकिन हमें तैयार रहना चाहिए।

सभी एक्सप्रेसवे राज्य के आधारभूत ढांचे में मील का पत्थर साबित होंगे : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे राज्य के आधारभूत ढांचे में मील का पत्थर साबित होंगे। योगी ने कहा कि लंबे समय से प्रदेश को जिस आर्थिक विकास की तमन्ना थी, उसे आगे बढ़ाने में ये एक्सप्रेस वे मददगार साबित होंगे। विगत तीन वर्षों में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए शासन, प्रशासन की टीम ने बेहतर कार्य किया है और इसके लिए काफी प्रभावशाली कदम भी उठाए गए हैं।

मुख्यमंत्री को उनके सरकारी आवास पर गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के लिए पंजाब नेशनल बैंक ने 750 करोड़ रुपये के ऋण का चेक सौंपा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज दुनिया में निवेश को लेकर नई प्रतिस्पर्धा शुरु हुई है। योगी ने कहा कि गोरखपुर में आपार संभावनाएं हैं। करीब पांच करोड़ की आबादी के स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यापार और रोजगार का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र गोरखपुर है। इतनी बड़ी आबादी के जीवन में खुशहाली लाने के लिए बेहतर कनेक्टिविटी की आवश्यकता है। अभी लखनऊ-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग- 28 ही एकमात्र जरिया था। वैकल्पिक मार्ग एक्सप्रेस-वे को लेकर जब सर्वे हुआ तो अच्छे परिणाम सामने आए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर औद्योगिक गलियारे के विकास की कार्रवाई को भी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने इस संबंध में भूमि अधिग्रहण व अन्य आवश्यक कार्यवाही को तेजी से आगे बढ़ाया है। गोरखपुर में अगले वर्ष के प्रारंभ में एम्स और 30 वर्ष पहले बंद हो चुका फर्टिलाइजर कारखाना कार्य करता हुआ दिखाई देगा। योगी ने कहा कि पूर्वांचल के दो महत्वपूर्ण शहर वाराणसी और गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल जो विकास की दौड़ में बहुत पीछे था, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे वहां के विकास का बैकबोन बन सकता है।

मोदी सरकार के अबतक के कार्यकाल को लेकर रणदीप सुरजेवाला ने जताई निराशा, कहा- असीम पीड़ा के हैं छह साल

जयपुर। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला साल पूरा होने पर कटाक्ष करते हुए शनिवार को इसे भारी निराशा, आपराधिक कुप्रबंधन व असीम पीड़ा के छह साल करार दिया। उन्होंने कहा कि आज देश ऐसे मुकाम पर खड़ा है जहां आम जनता सरकार द्वारा दिए गए घावों से पीड़ित है। वह जयपुर के पास कूकस में एक निजी होटल में कांग्रेस व उसके समर्थक विधायकों की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

केंद्र में मोदी सरकार का सातवां साल शुरू होने पर उन्होंने कहा कि सातवें साल की शुरुआत में भारत एक ऐसे मुकाम पर आकर खड़ा है जहां देश के नागरिक सरकार द्वारा दिए गए अनगिनत घावों व निष्ठुर असंवेदनशीलता की पीड़ा सहने को मजबूर हैं। सुरजेवाला ने कहा कि बीते छह साल में देश में भटकाव की राजनीति एव झूठे शोरगुल की पराकाष्ठा मोदी सरकार के कामकाज की पहचान बन गई।

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश, भटकाव के इस आडंबर ने मोदी सरकार की राजनैतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा तो किया, परंतु देश को भारी सामाजिक व आर्थिक क्षति पहुंचाई। कांग्रेस नेता ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को याद रखना होगा कि बढ़ चढ़ कर किए गए वादों पर खरा उतरना ही असली कसौटी है। लेकिन ढोल नगाड़े बजाकर बड़े बड़े वादे कर सत्ता में आई यह सरकार देश को सामान्य रूप से चलाने की एक छोटी सी उम्मीद भी पूरा करने में विफल रही तथा उपलब्धि के नाम पर शून्य साबित हुई है।

अपने संबोधन में सुरजेवाला ने विकास, रोजगार व आर्थिक वृद्धि दर को लेकर मोदी सरकार पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार हर साल 2 करोड़ नौकरी देने के वादे के साथ सत्ता में आई लेकिन 2017-18 में भारत में पिछले 45 सालों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर रही वहीं कोरोना वायरस महामारी के बाद भारत की बेरोजगारी दर अप्रत्याशित रूप से बढ़कर 27.11 प्रतिशत हुई है। उन्होंने कहा कि चीन की सेनाओं द्वारा लद्दाख में पैनगोंग लेक तथा गल्वान वैली के क्षेत्र में जबरन घुसपैठ करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंताजनक विषय है।

सुरजेवाला ने कहा कि हम प्रधानमंत्री से कहेंगे कि वे चीनी घुसपैठ के बारे में सारी जानकारी देश से साझा करें। कांग्रेस नेता ने कहा कि नेपाल के साथ अकारण पैदा हुए सीमा विवाद, चीन द्वारा मालदीव में फेडू फिनोलू आईलैंड पर विस्तार करना, श्रीलंका में हम्बनटोटा बंदरगाह को चीन को संचालन के लिए लंबी अवधि के लिए देना ऐसे मुद्दे हैं जिनसे हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा सीधे प्रभावित होती है। कार्यशाला में प्रवासी मजदूरों के संकट,लॉकडाउन, अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति, आजादी के बाद न्यूनतम जीडीपी दर, आय की असमानता, आपराधिक कुप्रबंधन, लोकतांत्रिक संस्थानों के योजनाबद्ध दमन, किसान की आय दुगुनी करने के नाम पर छल पर चर्चा हुई।

लद्दाख विवाद पर सेना प्रमुख का बयान, कहा- चरणबद्ध तरीके से हट रही हैं भारत और चीन की सेनाएं

देहरादून (उराखंड)। (एजेंसी)।

थलसेना अध्यक्ष जनरल एम एम नरवणे ने पूर्वी लद्दाख विवाद पर शनिवार को कहा कि चीन से लगती भारत की सीमा पर ''स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में'' है और दोनों देशों की सेनाएं चरणबद्ध तरीके से हट रही हैं, जिसकी शुरुआत गलवान घाटी से हो रही है। जनरल नरवणे के इस बयान से क्षेत्र से सैनिकों की परस्पर वापसी की पहली आधिकारिक पुष्टि हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच जारी वार्ता से वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के बारे में माने जा रहे सभी मतभेद सुलझ जाएंगे। जनरल नरवणे यहां भारतीय सैन्य अकादमी की पासिंग आउट परेड से इतर संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा, ''दोनों पक्ष चरणबद्ध तरीके से हट रहे हैं। हमने उत्तर से, गलवान नदी के क्षेत्र से इसकी शुरुआत की है। हमारी बहुत सार्थक बातचीत हुई। और जैसा कि मैंने कहा कि यह जारी रहेगी तथा आगे हालात सुधरेंगे।'' भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग सो, गलवान घाटी, डेमचोक और दौलत बेग ओल्डी में पांच सप्ताह से अधिक समय से गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। चीनी सेना के जवान बड़ी संख्या में पैंगोंग सो समेत अनेक क्षेत्रों में सीमा के भारतीय क्षेत्र की तरफ घुस आए थे। भारतीय सेना वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के उल्लंघन की इन घटनाओं पर कड़ी आपत्ति व्यक्त करती रही है और उसने क्षेत्र में अमन-चैन की बहाली के लिए चीनी सैनिकों की तत्काल वापसी की मांग की है। दोनों पक्षों ने पिछले कुछ दिन में विवाद सुलझाने के लिए श्रृंखलाबद्ध बातचीत की है।

उन्होंने कहा, ''मैं सभी को आश्वस्त करना चाहूंगा कि चीन के साथ हमारी सीमाओं पर स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। हम श्रृंखलाबद्ध बातचीत कर रहे हैं जो कोर कमांडर स्तर की वार्ता से शुरू हुई थी जिसके बाद स्थानीय स्तर पर समान रैंक के कमांडरों के बीच बैठक हुई।'' थलसेना प्रमुख ने कहा, ''परिणामस्वरूप काफी हद तक दोनों पक्ष एक-दूसरे के साथ गतिरोध से अलग हुए हैं और हमें उम्मीद है कि सतत बातचीत से हम अपने बीच माने जाने वाले सभी मतभेदों को सुलझा लेंगे।'' सैन्य सूत्रों ने मंगलवार को दावा किया था कि दोनों सेनाओं ने गलवान घाटी में गश्त बिंदु 14 और 15 के आसपास से तथा हॉट स्प्रिंग क्षेत्र से हटना शुरू कर दिया है।

सूत्रों का कहना है कि चीनी पक्ष दोनों क्षेत्रों में डेढ़ किलोमीटर तक पीछे हट गया है। हालांकि, विदेश मंत्रालय या रक्षा मंत्रालय ने अभी तक इस संबंध में प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया है। हालात पर नजर रख रहे लोगों का कहना है कि अभी तक इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि चीनी सैनिक गलवान घाटी और हॉट स्प्रिंग में एलएसी के भारतीय क्षेत्र से वापस हो गए हैं। विवाद को समाप्त करने के लिए पहले गंभीर प्रयास के तहत लेह स्थित 14वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह और तिब्बती सैन्य जिले के कमांडर मेजर जनरल लिऊ लिन ने छह जून को करीब सात घंटे तक वार्ता की थी। इसके बाद बुधवार और शुक्रवार को मेजर जनरल स्तर की वार्ता हुई। दोनों बार भारतीय पक्ष ने यथास्थिति बहाल करने और इलाकों से हजारों चीनी सैनिकों की तत्काल वापसी पर जोर दिया था।

भारत इस क्षेत्र को एलएसी का अपना क्षेत्र मानता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को पूर्वी लद्दाख में तथा सिक्किम, उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास अन्य कई संवेदनशील इलाकों में समग्र सैन्य तैयारियों की समीक्षा की। सूत्रों ने बताया कि पूर्वी लद्दाख में गतिरोध के बाद दोनों पक्षों ने पिछले कुछ दिन में उत्तरी सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश में एलएसी पर अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया है। पिछले महीने की शुरुआत में गतिरोध शुरू होने के बाद भारतीय सैन्य नेतृत्व ने फैसला किया था कि भारतीय सैनिक पैंगोंग सो, गलवान घाटी, डेमचोक तथा दौलत बेग ओल्डी के सभी विवादित क्षेत्रों में चीनी सैनिकों के आक्रामक अंदाज से निपटने के लिए कड़ा रुख अपनाएंगे। चीनी सेना एलएसी के पास धीरे-धीरे अपना रणनीतिक भंडार बढ़ाती रही है और उसने वहां तोपें एवं अन्य भारी सैन्य उपकरण पहुंचाए हैं। मौजूदा गतिरोध के शुरू होने की वजह पैंगोंग सो झील के आसपास फिंगर क्षेत्र में भारत के एक महत्वपूर्ण सड़क निर्माण का चीन द्वारा किया जा रहा तीखा विरोध है। इसके अलावा गलवान घाटी में दारबुक-शयोक-दौलत बेग ओल्डी को जोड़ने वाली एक और सड़क के निर्माण पर भी चीन विरोध जता रहा है।

पैंगोंग सो में फिंगर क्षेत्र में सड़क को भारतीय जवानों के गश्त करने के लिहाज से अहम माना जाता है। भारत ने पहले ही तय कर लिया है कि चीनी

विरोध की वजह से वह पूर्वी लद्दाख में अपनी किसी सीमावर्ती आधारभूत परियोजना को नहीं रोकेगा। दोनों देशों के सैनिक गत पांच और छह मई को पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग सो क्षेत्र में आपस में भिड़ गए थे। इस घटना में दोनों पक्षों के सैनिक घायल हुए थे। इस झड़प में भारत और चीन के करीब 250 सैनिक शामिल थे। इसी तरह की एक अन्य घटना में नौ मई को उत्तरी सिक्किम सेक्टर में नाकू ला दर्रे के पास लगभग 150 भारतीय और चीनी सैनिक आपस में भिड़ गए थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

सांसद हनुमान बेनीवाल ने किया ऐलान, राज्य सभा चुनाव में BJP को देंगे समर्थन

जयपुर. नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने राज्य सभा चुनाव में बीजेपी को समर्थन देने का औपचारिक ऐलान किया है.बेनीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी के तीनों वोट बीजेपी को जाएंगे. वे इस बात की कोशिश करेंगे कि कुछ निर्दलीय और दूसरी पार्टियों से भी बीजेपी प्रत्याशी को वोट दिलाये जा सकें.

बेनीवाल ने कांग्रेस पर छोटी पार्टियों को निगलने का आरोप लगाने के साथ ही कहा कि कांग्रेस ने आरएलपी के विधायकों को प्रलोभन देने की कोशिश की, लेकिन उनके विधायकों ने सरकारी लालच को नकार दिया है.

बेनीवाल ने कहा कि कांग्रेस के कई विधायक उनके आशीर्वाद से जीतकर आएं हैं और ऐसे विधायकों से उनकी बातचीत होती रहती है. बेनीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी के विधायक बीएसपी की तरह बिकने वाले नहीं हैं.

लॉकडाउन के बाद गुलजार राजस्थान के पर्यटन के स्थल, तीसरे सप्ताह में ये हैं गाइडलाइन

जयपुर. जून से पर्यटन स्थलों का पर्यटकों के लिए शुभारंभ कर दिया गया था. राज्य सरकार की ओर से पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए 2 सप्ताह निशुल्क प्रवेश रखा गया.

तीसरे सप्ताह जो कि कल से शुरू होने जा रहा है, उसके लिए पर्यटन विभाग में 50% शुल्क रखा है जो कि दो पारियों में पर्यटन स्थल खोले जाएंगे. प्रथम पारी सुबह 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक दूसरी पारी दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक पर्यटकों के लिए भ्रमण के लिए खोला जाएगा. इसके लिए पर्यटन विभाग ने सभी तैयारियां शुरू कर दी हैं.

इस समय पर्यटन के लिहाज से ऑफ सीजन माना जाता है क्योंकि भीषण गर्मी के चलते पर्यटकों की आवाजाही भी बहुत कम हो जाती है लेकिन सरकार के प्रयास है कि हैं कि ऑफ सीजन के दौरान इस तरह की गतिविधियां शुरू की जाएं कि पर्यटन आने वाले दिनों में दोबारा मुख्यधारा में लौट सके.

दरअसल, कोरोना संक्रमण के चलते प्रदेश में पर्यटन उद्योग को 18 मार्च को लॉक डाउन कर दिया गया था. 31 मई को प्रदेश में पर्यटन को बंद हुए तीन महीने हो जाएंगे. इस दौरान पर्यटन उद्योग को प्रतिदिन 10 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है. 75 दिन के नुकसान का आंकलन करें तो यह राशि 3500 करोड़ रुपये से ज्यादा की होती है.

पर्यटन व्यवसाय से जुड़े तमाम स्टेक होल्डर जिनमें होटल, क्लब, बार, गाइड, ट्रांसपोर्ट, हस्तशिल्प, ज्वेलरी, इवेंट मैनेजमेंट के अलावा छोटे-छोटे वेंडर हॉकर सभी हाशिए पर आ गए हैं. विदेशी पर्यटकों की बात करें तो वर्ष 2021 तक की तमाम बुकिंग रद्द हो चुकी हैं. ट्रैवल ट्रेड से जुड़ी 10 हजार से ज्यादा छोटी बड़ी एजेंसी बंद हो चुकी हैं. टूरिज्म ट्रेड से जुड़े 70 फ़ीसदी लोग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से बेरोजगार हुए हैं. प्रदेश के पांच सितारा होटल से लेकर तमाम बजट होटल तक भारी घाटे में चले गए हैं. स्टाफ को या तो लंबी छुट्टी पर भेज दिया गया है या उनके वेतन में भारी कटौती की गई है. अब उम्मीद है तो सरकार से कि वह इस इंडस्ट्री को दोबारा से खड़ा करने के लिए न केवल रियायतें दे वरन आर्थिक पैकेज भी प्रदान करें.

- 1 जून को स्मारक और संग्रहालय को पर्यटन विभाग के सहयोग से लोक कलाकारों के कार्यक्रम आयोजित किए गए. - 1 जून के प्रथम सप्ताह में 4 दिन मंगलवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक स्मारक व संग्रहालय खोले गए,,, वहीं दूसरे सप्ताह में 4 दिन मंगलवार, गुरुवार, शनिवार, रविवार सुबह 9:00 बजे से 1:00 बजे तक एवं 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक देसी विदेशी पर्यटकों का प्रवेश निशुल्क रखा गया.
- तीसरे सप्ताह से नियमित रूप से प्रतिदिन सुबह 9:00 से दोपहर 1:00 बजे एवं 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक वर्तमान में निर्धारित प्रवेश शुल्क का 50% छूट के साथ देसी विदेशी पर्यटकों को प्रवेश दिया जाएगा. पर्यटकों की थर्मल स्क्रीनिंग, हाथों को सैनिटाइज करवाना और सभी पर्यटकों और स्टाफ के लिए मास्क अनिवार्यता और सोशल डिस्टेंस की पालना आवश्यक होगी. बिना मास्क के प्रवेश नहीं दिया जाएगा.

निजी स्कूलों की फीस के विरोध में अभिभावकों का प्रदर्शन, कहा-झारखंड सरकार कर रही लीपापोती

बोकारो. लॉकडाउन (Lockdown) के दौरान निजी स्कूलों द्वारा फीस वसूले जाने को लेकर अभिभावक संघ ने रविवार को झारखंड के बोकारो के गांधी चौक के पास मौन धरने के तहत आंदोलन किया. इस दौरान सभी अभिभावकों ने हाथों में तख्ती लिए हुए थे, जिसमे लिखा हुआ था, 'नो स्कूल नो फीस'.

बोकारो के सेक्टर 4 के गांधी चौक के पास महात्मा गांधी के मूर्ती के सामने अभिभावकों ने इस आन्दोलन का आयोजन किया. इसमें विरोध किया गया कि, लॉकडाउन के दौरान दुकान और व्यापार दोनों बंद हैं, इस कारण अभिभावक आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं. ऐसे समय में स्कूल प्रबंधन अभिभावकों से फीस कैसे वसूल सकते हैं.

अभिभावकों का कहना है कि, लॉकडाउन के कारण छात्र स्कूल भी नहीं गए और अभिभावक तंगी हाल में है. आखिर वो इतने सारे चार्जेस जो स्कूल के तरफ से लगाया गया है, उसे कैसे भरेंगे. उन्होंने आरोप लगाया कि, प्राईवेट स्कूल आखिरकार मानवीय मूल्यो को भी कैसे ताक पर रख सकते हैं.

धरने दे रहे लोगों ने कहा कि, सूबे कि सरकार केवल लीपापोती मे लगी हुई है. उन्होंने झारखंड सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए कहा कि, शिक्षा मंत्री बार-बार कह रहें हैं कि, लॉकडाउन के दौरान स्कूल फीस न वसूला जाय, फिर बाद में पलट गए और ट्यूशन फीस की बात कहने लगे.

अभिभावकों ने कहा कि, स्कूल प्रबंधन ऑनलाइन क्लास ले रहे हैं जबकि, कितनों छात्रों के पास मोबाइल नहीं है. साथ ही, किसी के पास है तो, इस पढाई से बच्चों की आँख प्रभावित हो रही है. जिसका हम विरोध करते हैं. इसलिए जब तक पूरी तरह से फीस वापस नहीं होगी और जब तक कोरोना (Corona) है, तब तक स्कूल न खुले.

बिहार: SC की टिप्पणी पर RJD बोली- आरक्षण को खत्म करना चाह रही NDA

आरजेडी नेता ने कहा कि, आरएसएस-बीजेपी और उसके गठबंधन दल आरक्षण को खत्म कर रहे हैं. इसी के तहत इस तरह की टिप्पणी सामने आई हैं.

पटना. सुप्रीम कोर्ट (Supreme Court) की टिप्पणी-'आरक्षण मौलिक अधिकार नहीं' पर राजनीतिक पार्टियों का विरोधी स्वर उठने लगा है. इस मसले पर बिहार के तमाम सियासी दलों के नेताओं का स्वर एक जैसा दिख रहा है. भारतीय जनता पार्टी (BJP) हो या फिर राष्ट्रीय जनता दल (RJD), दोनों दलों के नेता सुर में सुर मिला रहे हैं.

'आरक्षण मौलिक अधिकार नहीं' की टिप्पणी पर आरजेडी नेता शिव चंद्र राम ने कहा कि, इसके पीछे केंद्र की सत्ता जिम्मेदार है. आरएसएस-बीजेपी और उसके गठबंधन दल आरक्षण को खत्म कर रहे हैं. इसी के तहत इस तरह की टिप्पणी सामने आई हैं.

उन्होंने कहा कि, आज आरक्षण को मौलिक अधिकार नहीं कहा जा रहा है, कल दलितों को वोट देने से मना किया जाएगा. केंद्र की बीजेपी सरकार आरक्षण और दलित विरोधी है. इसके अलावा सीएम नीतीश कुमार (Nitish Kumar) आरक्षण के विरोध में लगे हैं. वहीं, आरक्षण मौलिक अधिकार नहीं की टिप्पणी पर बीजेपी नेता निखिल आनंद ने भी बयान दिया है.

उन्होंने कहा है कि, सुप्रीम कोर्ट के हालिया कुछ डिसीजन पर कन्फ्यूजन बने हैं, पर आरक्षण को कोई छू नहीं सकता है. आरक्षण खत्म नहीं कर सकता है. पीएम नरेंद्र मोदी (Narendra Modi) की सरकार में एससी-एसटी (SC/ST) नियम को रीइंस्टॉल किया है. उन्होने आगे कहा है कि, ओबीसी (OBC) आयोग का संवैधानिक दर्जा दिया गया.

बीजेपी नेता ने विपक्षियों के बयानबाजी पर कहा कि, इस मुद्दे पर हम काम करते रहते हैं, विपक्ष प्रोपेगेंडा पैदा ना करें. उन्होने स्पष्ट किया है कि, आरक्षण के मामले पर ईबीसी, ओबीसी और एससी-एसटी को एक साथ होना पड़ेगा. वहीं, जेडीयू ने भी 'आरक्षण मौलिक अधिकार नहीं' की टिप्पणी पर स्पष्ट नीति अपनाई है. भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने कहा है कि, आरक्षण विरोधी लोग इस तरह की हरकत करते हैं.

CM आवास को उड़ाने की धमकी देने वाले दो युवक गिरफ्तार, WhatsApp पर भेजा था मैसेज

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री आवास को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. पुलिस ने गोंडा के रहने वाले दो युवकों पर शिकंजा कसा है. एसीपी गंज की टीम ने दोनों को गिरफ्तार किया है. पकड़े गए युवकों का नाम मुकेश और राजा बाबू है.

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री आवास को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. पुलिस ने गोंडा के रहने वाले दो युवकों पर शिकंजा कसा है. एसीपी गंज की टीम ने दोनों को गिरफ्तार किया है. पकड़े गए युवकों का नाम मुकेश और राजा बाबू है. ये दोनों युवक गोंडा के टीकर इलाके के रहने वाले हैं. आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश पुलिस की इमरजेंसी सर्विस 'Dial 112' के व्हाट्सएप नंबर पर एक मैसेज भेजकर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी. इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में 50 अलग-अलग जगहों पर बम धमाके करने की भी धमकी दी गई थी. इसमें 'Dial 112' की बिल्डिंग भी शामिल है.

पुलिस के मुताबिक मैसेज में लिखा था, "हम पूरे उत्तर प्रदेश में धमाके करेंगे और सरकार देखती रह जाएगी." इस धमकी भरे मैसेज के बाद मुख्यमंत्री आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी. मुख्यमंत्री आवास के अगल-बगल के वीआईपी इलाके में भी सघन चेकिंग शुरू हो गई थी.

गौरतलब है कि बीते दिनों महाराष्ट्र के मुंबई और पुणे से दो युवकों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी भेजने के मामले में गिरफ्तार किया गया था. महाराष्ट्र एटीएस और यूपी एसटीएफ ने इस मामले में दो युवकों वहाब और कामरान अमीन को गिरफ्तार किया था.

ललितपुर: कोरोना संदिग्ध को बिना जांच कराए ही लेकर भागे परिजन, हुई मौत

एहतियातन जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कोरोना संदिग्ध मृतक के परिजनों की जांच के लिए सैंपल लिए. उनके जान-पहचान के लोगों की जानकारी की जा रही है और उनके भी सैंपल लिए जा रहे हैं. स्वास्थ्य विभाग ने मृतक के परिजनों को क्वारंटाइन सेंटर में भेज कर गांव को भी सील कर दिया गया है.

ललितपुर. उत्तर प्रदेश में कोरोना के मामलों पर नियंत्रण पाने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ जी जान से जुटे हुए हैं. वहीं कई जिलों से ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी भी होती है और लापरवाही पर नाराजगी भी. ललितपुर जिले में कोरोना के एक संदिग्ध मरीज को उसके परिवार वाले बिना जांच के ही घर लेकर भाग गए. मरीज घर भी नहीं पहुंच सका और उसकी रास्ते में ही मौत हो गई.

74 वर्ष के बुजुर्ग ने सांस की तकलीफ के बाद तोड़ा दम ललितपुर जिलाधिकारी योगेश कुमार शुक्ला के मुताबिक सांस लेने में परेशानी होने की समस्या को लेकर तालबेहट कोतवाली अंतर्गत करीला गांव के निवासी एक 75 साल के पर्वत नाम के बुजुर्ग को उसके परिजन जिला अस्पताल लेकर आए. यहां डॉक्टर्स ने

मरीज के कोरोना संदिग्ध होने की बात कही. कोरोना जांच की बात सुनने के बाद परिजन संदिग्ध मरीज को लेकर जिला अस्पताल से लेकर भाग गए. मरीज की रास्ते में मौत हो गई. परिजनों ने आनन फानन में मृतक का दाह संस्कार भी कर दिया.

स्वास्थ्य विभाग के उड़े होश घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के हाथ पैर फूल गए और एहतियातन जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कोरोना संदिग्ध मृतक के परिजनों की जांच के लिए सैंपल लिए. उनके जान-पहचान के लोगों की जानकारी की जा रही है और उनके भी सैंपल लिए जा रहे हैं. स्वास्थ्य विभाग ने मृतक के परिजनों को क्वारंटाइन सेंटर में भेज कर गांव को भी सील कर दिया गया है.

मामले की जांच के लिए बनी टीम संदिग्ध मरीज को परिजनों के जिला अस्पताल से लेकर जाने के मामले की जांच की जा रही है. इसके लिए डीएम ने 3 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है. ये टीम पूरे मामले की जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट देगी. इसके बाद ही मामले पर कार्रवाई की जाएगी.

बाड़ेबंदी के बीच कांग्रेस की रोचक तस्वीरें, किसी ने किया योगा, तो किसी ने देखी मूवी

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी विधायकों के साथ गांधी फिल्म देखी.

जयपुर. राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की बाड़ेबंदी के बीच कई तरह की रोचक तस्वीरें सामने आ रही हैं. होटल जेडब्ल्यू मैरियट में ठहरे कई मंत्री विधायकों की शुरुआत आज सुबह योगा और गेम्स के साथ हुई.

मंत्री शांति धारीवाल उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी और बीडी कल्ला ने जहां योगा और आसन किया. वहीं, बीडी कल्ला और महेंद्र चौधरी ने फुटबॉल में भी हाथ आजमाए.

मुख्य सचेतक महेश जोशी होटल के लॉन में वह करते हुए दिखाई दिए. मंत्री शाले मोहम्मद विधायक रफीक टाक गोपाल मीणा भी योगा के आसन और स्ट्रैचिंग के जरिए खुद को फिट रखने की कवायद में दिखाई दिए. इसके बाद नाश्ते की टेबल पर विधायक और मंत्रियों में गपशप का लंबा दौर चला. पुराने किस्से और आपसी हंसी मजाक के जरिए मंत्री विधायक खुद को रिफ्रेश करते हुए नजर आए.

आज रिसॉर्ट में विधायकों को महात्मा गांधी के जीवन से रूबरू करवाने के मकसद से गांधी फिल्म दिखाई गई. मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी विधायकों के साथ गांधी फिल्म देखी.

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुद महात्मा गांधी के जीवन से बहुत प्रभावित हैं वे अक्सर अपनी बातों में गांधी के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कहते हैं. आज दिन में विधायकों को राज्यसभा चुनाव की वोटिंग प्रक्रिया को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा. 17 जून को मॉक पोलिंग होगी.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना का कहर सुरत पुलिस पर

सुरत पुलिस में महिधपूरा पुलिस स्टेशन के एएसआई की कोरोना से मौत

सूरत. शहर में कोरोना का कहर बढ़ता ही जा रहा है. पॉजि. टिव मामले आने का सिलसिला भी जारी।शहर में अबतक 100 से भी ज्यादा पॉजिटिव मरीजों की मौत हो गई है.इसी बीच रविवार को महीधरपूरा पुलिस स्टेशन के एक एसएसआई जो कोरोना पॉजिटिव थे उनकी मौत हो जाने से समग्र पुलिस महकमे में शोक सा छा गया है.साथ ही मृतक पुलिस कर्मी को साथी पुलिस कर्मियों ने सलामी दी.

सूत्रों से मिली जानकारी मुताबिक़ 55 वर्षीय एएसआई मगन रणछोड़ बारिया (55) शहर के महिधरपुरा पुलिस स्टेशन कार्यरत थे

और कतारगाम क्षेत्र में स्थित नीलकंठ सोसायटी में परिवार के साथ रहते थे। वो डायाबिटीज और ब्लड प्रेशर से पीड़ित थे।कोरोना महामारी के बीच भी वो अपनी जान की परवाह किये बिना ड्यूटी कर रहे थे। 31 जुलाई को उनकी तबीयत खराब हुई थी और कोरोना की जाँच में रिपोर्ट पॉजीटिव आने पर उन्हें न्यू सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था. हालांकि 9 जून को उनकी दुबारा निकाली गई थी,यह रिपोर्ट नेगेटिव आने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई। लेकिन घर पर जाने के बाद 11 जून को उनकी तबीयत और खराब हुई थी। उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने लगी थी।

जिससे उन्हें न्यू सिविल अस्पताल के कोविड–19 अस्पताल के आईसीयु वॉर्ड में भर्ती करवाया गया।

रविवार दोपहर उनकी मौत हो गई.ये समाचार मिलते ही पुलिस महकमे में शोक छा गया है. उन्हें साथी पुलिस कर्मियों ने सलामी देकर अंतिम बिदाई दी.

गुजरात में मॉनसून की धमाकेदार दस्तक, 5 दिनों तक होगी भारी बारिश

क्रांति समय

अहमदाबाद, मॉनसून ने गुजरात में धमाकेदार दस्तक दी है और प्रारंभ में ही राज्य के कई जिलों में जमकर बरसा इस साल मॉनसून ने समय से पहले गुजरात में दस्तक दी है!

मौसम विभाग की प्रभारी निदेशक मनोरमा मोहंती के मुताबिक गुजरात में मॉनसून का विधिवत प्रारंभ हो गया है

और साइक्लोनिक सर्क्युलेशन के कारण आगामी 5 दिनों तक राज्यभर में बरसाती माहौल रहेगा और इस दौरान भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है!

भारतीय मौसम विभाग द्वारा 40 साल के डेटा के अध्ययन के बाद पूर्वानुमान लगाया था कि गुजरात में मॉनसून का विधिवत प्रारंभ 21 जून से होगा,

लेकिन जिस प्रकार सिस्टम सक्रिय हो रही है और केरल इसकी शुरुआत के साथ यह तेजी से आगे बढ़ रहा है!

हांलाकि गुजरात में मॉनसून के विधिवत प्रारंभ होने से पहले प्री मॉनसून के दौरान व्यापक बारिश हो चुकी है!

मॉनसून के दस्तक देते ही रविवार को तड़के अहमदाबाद समेत राज्य के कई इलाकों में तेज हवा के साथ मूशलाधार बारिश हुई!

आगामी पांच दिन गुजरात में बरसाती माहौल रहेगा और इस दौरान सौराष्ट्र, दक्षिण गुजरात, कच्छ में भारी बारिश होने की संभावना है!

दक्षिण गुजरात के वलसाड, नवसारी, डांग, तापी में भारी बारिश होगी!

रविवार को दिन के दौरान अहमदाबाद समेत राज्य की 120 जितनी तहसीलों में बारिश हुई है! जिसमें सबसे अधिक बारिश धंधुका तहसील में 4 ईंच दर्ज हुई है!

राजकोट में सुबह से जबर्दस्त बारिश हो रही हैद्य राजकोट के ध ोराजी में जबर्दस्त बारिश के चलते कई इलाकों में पानी भर गया!

दिन के दौरान पूरे बोटाद में मेघा दिल खोलकर बरसे बोटाद के गढ़डा, ढसा, राणपुर, बरवाला, पालियाद, सरधरा और कानियाड समेत अन्य इलाकों में मूशलाधार बारिश हुई!

अमरेली के बाबरा के राणपर और नडाना में मूशलाधार बारिश होने से स्थानीय देवांगी नदी में बाढ़ आ गई!

तालाला के बांदा, नवागाम और राजड़ा गांवों में तेज हवा और गरज के साथ भारी बारिश हुई! बारिश होने से छोटे–बड़े चैकडेम छलकने लगे हैं!

गिर सोमनाथ के वेरावल, तालाला, कोडीनार और ऊना में मध्यम बारिश हो रही है! सुरेन्द. नगर के वढवाण, लीमडी, चूडा, लखतर, ध्रांगध्रा, पाटडी और चोटीला तहसीलों में मेघा की कृपा बरस रही है!

उत्तरी गुजरात के मेहसाणा में मॉनसून का आगमन हो गया है

और जिले के बहुचराजी, वडनगर समेत अन्य तहसीलों में मूशलाधार बारिश हुई!

बनासकांठा के पालनपुर, वडगाम, अमीरगढ़, दांता, डीसा में मूशलाधार बारिश हुईद्य दक्षिण गुजरात के सूरत और वापी में दोपहर को मूशलाधार बारिश से चहुंओर पानी पानी हो गया!

दीव में गरज के साथ बारिश की एन्ट्री हुईद्य इतना ही नहीं अरब सागर में ऊंची लहरें उठ रही हैं!

अपने ही घर में अज्ञात महिला की हत्या कर फरार आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय

पंचमहल, जिले के साढिया गांव में अपने घर में एक अज्ञात महिला की हत्या कर फरार आरोपी को पुलिस ने चंद घंटों में गिरफ्तार कर लियाद्य मृतक महिला के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद वडोदरा के कोल्ड रूम में भेजा गया है!

जानकारी के मुताबिक पं. चमहल जिले की हालोल तहसील के साढिया गांव निवासी मुकेश रईजी बारिया काफी समय से अकेला रहता था!

तीन दिन पहले मुकेश ने अपने ही घर में किसी अज्ञात महिला की हत्या कर दी थी! महिला की हत्या के बाद मुकेश फरार हो गया थाद्य मुकेश के चाचा को जब इसका पता चला तो उन्होंने गांव के सरपंच और पुलिस को घटना की जानकारी दी! घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर महिला के शव का हालोल के अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद वडोदरा के कोल्ड रूम भेज दियाद्य चंद घंटों में हत्या के आरोपी मुकेश को भी गिरफ्तार कर लियाद्य साथ ही महिला कौन थी और मुकेश के साथ उसके क्या संबंध थे? इत्यादि सवालों की गुत्थी सुलझाने में जुट गई है!

गुजरात में कोरोना के 511 नए केस, 29 मरीजो की मौत और 442 लोग ठीक हुए

अहमदाबाद गुजरात में 511 नए केसों के साथ राज्य में कोरोना का आंकड़ा 23090 पर पहुंच गया है!

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कोरोना के 511 नए मामले सामने आए हैं!

जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद में 334 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं!

सूरत में 76, वडोदरा में 42, सुरेन्द्रनगर में 9, गांधीनगर में 8, अरवल्ली में 6, भरुच में 6, भावनगर में 3, महीसागर में 3, आणंद में 3, अमरेली में 3, मेहसाणा में 2, साबरकांठा में 2, पाटण में 2, खेडा में 2, बनासकांठा में 1, राजकोट में 1, पंचमहल में 1, बोटाद में 1, नर्मदा में 1 और अन्य राज्य 5 समेत राज्य में कुल 511 नए केस दर्ज हुए हैं!

जबकि अहमदाबाद में 22, सूरत में 4, अरवल्ली में 1, मेहसाणा में 1 और अरवल्ली में 1 समेत राज्य में 29 मरीजों की कोरोना से मौत हुई है!

इस दौरान अहमदाबाद में 224, सूरत में 99, वडोदरा में 66, गांधीनगर में 12, जामनगर में 11, मेहसाणा में 7, बनासकांठा में 5, नर्मदा में 4, आणंद में 3, भावनगर में 3, राजकोट में 3, पाटन में 2, दाहोद में 1, देवभूमि द्वारका में 1 और खेडा में 1 समेत कुल 442 लोग ठीक हुए हैं! स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक 288565 टेस्ट किए गए हैं, जिसमें 23090 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आईद्य 23090 में 16333 लोग ठीक हो चुके हैं और 1478 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है! राज्य में फिलहाल कोरोना सक्रिय मरीजों की संख्या 5779 हैद्य जिसमें 5713 मरीजों की हालत स्थिर है और 66 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं!

गुजरात में 5.3 की तीव्रता के भूकंप के झटके से लोगों में दहशत

क्रांति समय

अहमदाबाद, रविवार रात करीब सवा आठ बजे भूकंप के झटके से गुजरात थर्रा उठा! रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.3 बताई गई है!

भूकंप का केन्द्र कच्छ के भचाऊ के निकट जमीन के नीचे 10 किलोमीटर था!

करीब 3 से 4 सैंकड का यह झटका अहमदाबाद समेत राज्यभर में महसूस किया गया! एक ओर लोग कोरोना संकट है और दूसरी ओर राज्यभर में भारी बारिश भी शुरू हो

गई! ऐसे में भूकंप के झटके ने लोगों को हिलाकर रख दिया है!

घरों में सामान हिलने और बर्तनों को नीचे गिरता देख लोग अपने अपने घरों से बाहर की ओर दौड़ पड़े 19 साल बाद गुजरात में इतनी तीव्रता का भूकंप आने से लोगों में दहशत फैल गई है! अहमदाबाद के अलावा राजकोट, जामनगर, भावनगर, सुरेन्द्रनगर, मोरबी, कच्छ, जूनागढ़, पोर. बंदर, गिर सोमनाथ, बोटाद, गांध ीनगर, पाटन, अरवल्ली, साबरक. ांठा, बनासकांठा जिलों में भूकंप का झटका महसूस किया गया!

कक्षा 12 सामान्य संकाय के परिणामों की घोषणा आज

अहमदाबाद गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्व ारा मार्च 2020 में ली गई कक्षा 12 सामान्य संकाय के नतीजों का सोमवार को ऐलान किया जाएगाद्य 15 जून को सुबह बोर्ड की वे.

बसाइट www-gseb-org कक्षा 12 सामान्य संकाय के परिण ाम जारी किए जाएंगे! हांलाकि मार्कशीट के वितरण की तारीख का बाद में ऐलान किया जाएगाद्य बता दें कि इससे पहले कक्षा 12 सायंस और 10वीं कक्षा के नतीजों ऐलान किया जा चुका है!

कक्षा 12 सायंस का नतीजा 71.34 प्रतिशत और कक्षा 10 का 60.64 प्रतिशत परिणाम आया था!

गरबाडा में एक ही परिवार की चार बेटियों की तालाब में डूबकर मौत

दाहोद जिले गूंगरडी गांव निवासी एक परिवार की चार बेटियों के तालाब में डूबकर मौत की घटना से पूरे गांव में मातम पसर गया! चारों लड़कियों के शव स्थानीय तैराकों की मदद से तालाब से निकाले गएद्य स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है!

जानकारी के मुताबिक दाहोद जिले की गबराडा तहसील की गूंगरडी गांव निवासी भाभोर परिवार की चार बेटियां 8 वर्षीय नीलम, 10 वर्षीय जोशना, 11 वर्षीय मितल और 12 वर्षीय पायल शनिवार को पशु चराने गई थीं!

लेकिन देर शाम तक चारों बेटियों के घर नहीं लौटने पर उनकी खोजबीन शुरू की गई! कई घंटों तक खोजबीन के बावजूद लड़कियों का कोई अतापता नहीं मिलाद्य तालाब के निकट लड़कियों के कपड़े देख स्थानीय तैराकों ने तालाब में उनकी तलाश शुरू की करीब छह घंटों के मशक्कत के बाद चारों लड़कियों के शव तालाब से बरामद हुएद्य एक ही परिवार की चार बेटियों की मौत से पूरे गांव में मातम पसर गया! स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है!

गुजरात राज्य में कक्षा 3 से 12 के विद्यार्थियों की होम–लर्निंग का प्रारंभ आज से

क्रांति समय

अहमदाबाद, गुजरात में कक्षा 3 से कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए डिजिटल माध्यम से शिक्षा दी जाएगीद्य मुख्यमंत्री विजय रूपाणी 15 जून की सुबह 8 बजे डीडी गिरनार पर होम लर्निंग कार्यक्रम का प्रारंभ कराएंगेद्य जिन विद्यार्थियों के लिए डिजिटल सुविधा नहीं है, उन्हें घर बैठे साहित्य मुहैया करवाया जाएगाद्य प्रत्येक स्कूल में 35 विद्यार्थियों का क्लस्टर बनाया गया है, जिससे प्रति दिन शिक्षक फोन कर संपर्क करेंगेद्य गुजरात में 15 अगस्त तक स्कूल–कॉलेजें बंद रहेंगीद्य ऐसे में विद्यार्थियों को घर बैठे पढ़ाने का इंतजाम किया गया हैद्य डीडी गिरनार और बायसेग के जरिए कक्षा 3 से कक्षा 12 तक विद्यार्थियों को शिक्षा दी जाएगीद्य वैसे देखा जाए तो 8 जून से राज्य की स्कूलें खुल चुकी हैं और शिक्षक–आचार्य समेत अन्य स्टाफ नियमित आ रहा हैद्य लेकिन विद्यार्थियों के लिए स्कूल खोलने पर राज्य सरकार की मंजूरी की प्रतीक्षा है!

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)